RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 160 ● भिलाई, मंगलवार 30 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कलयुगी मां ने 6 साल की बेटी की ली जान, वजह जान कर कांप जाएगी रूह

मुंबई । नवी मुंबई के कलंबोली में मां की ममता को शर्मसार करने वाली एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। बेटी मराठी में बात नहीं कर सकती थी, इसलिए मां ने उसे मौत के घाट उतार दिया। इस मामले में पुलिस ने मां को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, कलंबोली सेक्टर-1 स्थित गुरुसंकल्प हाउसिंग सोसायटी में एक मां ने अपनी ही छह साल की मासूम बेटी का गला घोंटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, बेटी की हत्या के बाद कहानी बनाने की कोशिश की गई कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है, लेकिन पुलिस ने शक के आधार पर मृतक लड़की का पोस्टमॉर्टम करवाया, जिसमें पाया गया है कि सांस की नली अवरोध होने की वजह से उसकी जान गई है। फिर पुलिस ने मां से सख्ती से पूछताछ की, जिसके बाद लड़की की मौत का रहस्य उजागर हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुसंकल्प सोसायटी में आईटी इंजीनियर पति अपनी पढ़ी-लिखी पत्नी के साथ रहते थे।

नशा तस्करों की 2,730 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त

चंडीगढ। पंजाब में नशीले पदार्थों और संगठित अपराध नेटवर्क के खिलाफ निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि राज्य निर्णायक जीत की ओर बढ़ रहा है। पिछले साढ़े तीन वर्षों में 85,418 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, एन.डी.पी.एस. नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस अधिनियम के तहत सजा दर 88 प्रतिशत रही है तथा 1 जनवरी 2025 से अब तक 916 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस विभाग के कार्य-प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सख्त प्रवर्तन, गहन जांच और शून्य राजनीतिक हस्तक्षेप के जमीनी स्तर पर परिणाम सामने आ रहे हैं। यह नशों के खतरे के खिलाफ पंजाब की लंबी लड़ाई में बयानबाज़ी से आगे बढ़कर ठोस कार्रवाई की ओर स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। आज यहां बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से नशा तस्करों के खिलाफ 63,053 मामले दर्ज किए गए हैं।

नए साल के जश्न पर आतंकी साया, कई शहरों में न्यू ईयर पार्टियां रद्द

नई दिल्ली । दुनिया भर में नए साल 2026 के स्वागत के लिए उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और पर्यटक जश्न मनाने के लिए अपने पसंदीदा स्थलों पर पहुंचने लगे हैं। लेकिन इस बार उत्साह के बीच डर का माहौल भी है। आतंकी खतरों, हालिया हिंसक घटनाओं और भीड़भाड़ से जुड़े जोखिमों को देखते हुए दुनिया के कई प्रमुख शहरों में न्यू ईयर की पूर्व संध्या पर होने वाले बड़े कार्यक्रमों को या तो रद्द कर दिया गया है। या वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। द मिरर यूएस और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसले एहतियातन लिए गए हैं।

केंद्र-राज्य सरकार से मांगा जवाब

अरावली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में आज 29 दिसंबर सोमवार को अरावली मामले में सुनवाई हुई है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अरावली पहाड़ियों को लेकर उसके द्वारा दिए गए पहले के आदेश को रोक दिए गए हैं। यह फैसला तब तक लागू रहेगा, जब तक नई समिति का गठन नहीं हो जाता। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को दिए अपने ही फैसले पर रोक लगाते हुए केंद्र और राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। कोर्ट अब इस मामले में अगली सुनवाई 21 जनवरी को करेगा। यह फैसला सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच ने सुनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक जैसी परिभाषा को मंजूरी दी थी। इस परिभाषा के तहत दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली इलाकों में नए खनन पट्टों तब तक के लिए रोक लगा दी गई थी, जब तक विशेषज्ञों की रिपोर्ट नहीं आ जाती। कोर्ट ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को माना था। समिति में कहा गया था कि 'अरावली पहाड़ी को ऐसे किसी भी भू-भाग के रूप में परिभाषित किया जाएगा जो चिह्नित अरावली जिलों में हो और जिसकी ऊंचाई स्थानीय निचले बिंदु से 100 मीटर या उससे ज्यादा हो।' कोर्ट का कहना है कि अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की अलग-अलग समय की स्थिति का अध्ययन एक समिति द्वारा किया जाएगा। समिति में इस तरह के विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा, जो इन पहाड़ियों की बनावट और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का काम कर सकेंगे। समिति यह भी जांच करेगी कि पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के गैप में नियंत्रित खनन की परमिशन दी जा सकती है या नहीं, अगर परमिशन दी जाती है, तो ऐसे संरचनात्मक मानक क्या हों ताकि पर्यावरणीय निरंतरता को नुकसा न हो। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि 100 मीटर ऊंचाई की सीमा को अरावली की पहचान का आधार मानना वैज्ञानिक रूप से कितना सही है, इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। इसके लिए विस्तृत भू-वैज्ञानिक अध्ययन की जरूरत है। कोर्ट के मुताबिक समिति की सिफारिशों को लागू करने या फाइनल आदेश देने से पहले एक निष्पक्ष, स्वतंत्र और विशेषज्ञ की राय को ध्यान में रखना जाना जरूरी है। कोर्ट का मानना है कि कोई भी फैसला लेने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना और विशेषज्ञों की सलाह को महत्व दिया जाए।

अरावली खनन मामले में 'सुप्रीम' रोक: भूपेंद्र यादव ने फैसले का किया स्वागत

अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज यानी सोमवार को अपने पुराने फैसले पर रोक लगा दी। ऐसे में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले और मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक नई कमेटी बनाने के निर्देशों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सुप्रीम कोर्ट के इस नई समिति को हर जरूरी सहयोग देगा। अपने पोस्ट में मंत्री ने साफकिया कि अभी भी अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज देने या पुरानी लीज को नवीनीकरण करने पर पूरी तरह रोक जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार अरावली पहाड़ियों की सुरक्षा और दोबारा सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने भी किया फैसले का स्वागत, मांगा भूपेंद्र यादव का इस्तीफा

उधर, कांग्रेस ने भी सोमवार को अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। पार्टी ने केंद्र सरकार और खास तौर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर हमला बोलते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस पहले से ही इस नई परिभाषा का विरोध कर रही थी। ऐसे में पार्टी का कहना है कि अगर यह परिभाषा लागू होती, तो अरावली पहाड़ियों को खनन, रियल एस्टेट और अन्य परियोजनाओं के लिए खोल दिया जाता, जिससे पहाड़ों को भारी नुकसान होता। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला 'उम्मीद की एक किरण है। उन्होंने कहा कि अब इस मुद्दे पर और विस्तार से अध्ययन होगा। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस नई परिभाषा का विरोध पहले ही फॉरेस्ट सर्वे ऑफइंडिया, सुप्रीम कोर्ट की सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी भी कर चुकी है।

असम से घुसपैठियों पर अमित शाह का बड़ा बयान

कांग्रेस ने सालों तक आंखें मूंदी,अब हो रही कार्रवाई...

गुवाहाटी/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को असम के एक दिन के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले असम के नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान बटाद्रवा का उद्घाटन किया। बटाद्रवा को 227 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। इस दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पवित्र मार्गेरिटा और राज्य के संस्कृति मंत्री बिमल बोरा मौजूद रहे। गृह मंत्री ने

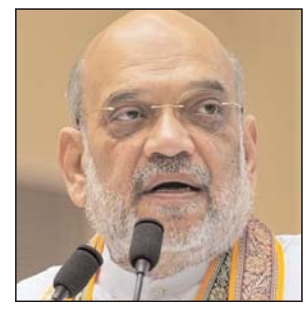

असम दौरे की शुरुआत गुवाहाटी में 'शहीद स्मारक क्षेत्र' में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करके की। इसके बाद बटाद्रवा पहुंचने पर गृह मंत्री का 'गायन-बयान' (गायक और ढोल वादक) द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। शाह ने संत शंकरदेव के जन्मस्थल का पुनर्विकास के बाद उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद शाह केंद्रीय भवन में भी गए जहां 'गुरु आसन' (पूजनीय संत की सीट) रखी है। 'महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र' नाम की इस जगह को फिर से विकसित करने का फैसला सबसे पहले 2021-22 के राज्य बजट में प्रस्तावित किया गया था। इस परियोजना को न केवल ऐतिहासिक स्थल बल्कि एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाने के लिए भी डिजाइन किया गया है। यहां महापुरुष शंकरदेव से जुड़े जीवन, आदर्शों और कलात्मक विरासत और राज्य की व्यापक सांस्कृतिक परंपराओं को भी दर्शाया गया है।

हार्ट अटैक से बीएलओ की मौत, पिता बोले- दिल का मरीज था विनीत

मेरठ। सरूरपुर के करनावल कस्बा स्थित प्राथमिक विद्यालय नंबर-2 के सहायक अध्यापक विनीत (42) की दिल का दौरा पड़ने के बाद शनिवार को अस्पताल में मौत हो गई। उनकी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत शोभापुर में बीएलओ के रूप में ड्यूटी लगी थी। परिजनों ने तनाव के कारण हार्टअटैक से मौत होने का दावा किया है। परिजनों ने इसकी प्रेस रिलीज भी जारी की है। विनीत रोहटा रोड स्थित गोल्ड कोस्ट कॉलोनी में रहते थे। पिता वीर सिंह ने बताया कि विनीत दिल के मरीज थे।

बीजेपी को मिलेगी कड़ी चुनौती

कांग्रेस-उद्धव ठाकरे गुट की जुगलबंदी...

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और कांग्रेस ने सोमवार को पुणे में आगामी नगर निगम चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन की आधिकारिक घोषणा की। यह घोषणा वरिष्ठ नेताओं सतेज पाटिल और सचिन अहीर ने की। प्रारंभिक सीट-बंटवारे की व्यवस्था के अनुसार, कांग्रेस पुणे नगर निगम (पीएमसी) की 160 सीटों में से 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 45 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। दोनों पक्षों

के नेताओं ने कहा कि शेष 55 सीटों के आवंटन को लेकर दोनों पार्टियों के बीच बातचीत जारी है और आने वाले दिनों में सीट बंटवारे को लेकर और स्पष्टता आने की उम्मीद है।

टैंक से ड्रोन तक हजारों करोड़ का महायुद्ध प्लान तैयार

सेना के आधुनिकीकरण के लिए करोड़ के प्रस्तावों को दी मंजूरी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय की डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने लगभग 79 हजार करोड़ रुपये की रक्षा खरीद और अपग्रेड परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। इस फैसले से सेना, वायुसेना और नौसेना की युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी साथ ही स्वदेशी रक्षा उद्योग को भी मजबूती मिलेगी। डीएसी की मंजूरी में सबसे अहम प्रस्ताव टी-90 'भीष्म' टैंकों के मिड-लाइफ अपग्रेड और ओवरहॉल से जुड़ा है। करीब 200

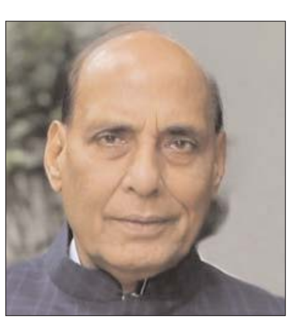

टी-90 टैंकों को स्वदेशी तरीके से अपग्रेड किया जाएगा जिसका काम डिफेंस पब्लिक सेक्टर यूनिट को सौंपा जाएगा। इससे इन टैंकों की ऑपरेशनल उम्र बढ़ेगी और आधुनिक युद्ध परिस्थितियों में उनकी मारक क्षमता और भरोसेमंदी मजबूत होगी। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के लिए मीडियम लिफ्ट एमआई-17 हेलीकॉप्टरों के मिड-लाइफ अपग्रेड को भी मंजूरी दी गई है। इस अपग्रेड से हेलीकॉप्टरों की ऑपरेशनल रेडीनेस बढ़ेगी और कठिन इलाकों में सैन्य अभियानों को बेहतर समर्थन मिलेगा। आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डीएसी ने लोइटरिंग मुनिशन यानी कामिकाज ड्रोन की खरीद को भी मंजूरी दी है। ये ड्रोन दुश्मन के ठिकानों पर मंडराकर सटीक हमला करने में सक्षम होते हैं और हाल के संघर्षों में इनकी भूमिका बेहद अहम मानी गई है।

तुम्हारा समय आ गया,' बेटे अहान के जन्मदिन पर भावुक हुए सुनील शेट्टी

मुंबई। 90 के दशक के जाने माने एक्टर सुनील शेट्टी आज भी सिनेमा में सक्रिय हैं और अब उनके बेटे अहान शेट्टी भी बॉलीवुड में कदम रख चुके हैं। वे अपने पिता की फिल्म 'बॉर्डर' के सीक्वल में नजर आने वाले हैं। सुनील शेट्टी को अपने बेटे अहान पर गर्व है। उन्होंने अहान को जन्मदिन की बधाई देते हुए भावुक कर देने वाला पोस्ट लिखा है। अहान शेट्टी को अपना 30वां जन्मदिन मना रहे हैं। पिता सुनील शेट्टी ने उनके लिए बहुत प्यारा नोट लिखा है। सुनील शेट्टी का मानना है कि अब अहान का अच्छा समय आ गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला पलटा

सुप्रीम कोर्ट से झटका-कुलदीप सेंगर की सजा निलंबन पर रोक

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में आज उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषी पाए गए भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के मुकदमे पर सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत की पीठ ने सेंगर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर फिलहाल रोक लगाई जाती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ में सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्च न्यायालय के

आदेश पर रोक लगाने की अपील की। पीठ ने कहा कि वह इस मामले की जांच करेगी क्योंकि इस मुकदमे पर विचार करना आवश्यक है। शीर्ष अदालत ने साफकिया कि कि उच्च न्यायालय के 23 दिसंबर के आदेश के आधार पर सेंगर को हिरासत से रिहा नहीं किया जाएगा। मामले की सुनवाई चार सप्ताह करने की बात कहते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, इस मामले में महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्नों पर विचार किया जाना है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ये मामला बच्ची के साथ भयावह दुष्कर्म का है। दोषी पर आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो कानून की धारा पांच और छह के तहत आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने इस बात को नोट किया कि अपराध के समय पीड़िता की आयु 15 साल 10 माह थी।

भारतमाला घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

हरमीत खनूजा के आवास पर दस्तावेज डिजिटल डेटा खंगाला

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में भारत माला परियोजना से जुड़े भूमि अधिग्रहण घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने राज्य के अलग अलग जिलों में कुल नौ ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। रायपुर में हरमीत सिंह खनूजा के निवास पर ईडी की टीम ने तड़के सुबह दबिश दी। वहीं महासमुंद जिले के मेघ बसंत क्षेत्र में व्यवसायी जसबीर सिंह बग्गा के घर भी जांच चल रही है। सुबह छह बजे से ईडी की टीमें दस्तावेजों की जांच और पूछताछ में जुटी हुई हैं। यह कार्रवाई भारत माला परियोजना के तहत रायपुर से विशाखापट्टनम आर्थिक कॉरिडोर के लिए किए गए भूमि अधिग्रहण में मुआवजा भुगतान की कथित गड़बड़ियों को लेकर की गई है। ईडी को संदेह है कि मुआवजा तय करने और उसके वितरण में बड़े स्तर पर नियमों का उल्लंघन हुआ है। छापेमारी के दौरान सभी परिसरों के बाहर सुरक्षा बल तैनात हैं और किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जांच के दायरे में निजी व्यक्तियों के साथ साथ कुछ सरकारी अधिकारी और जमीन मालिक भी शामिल हैं। ईडी की टीम उन लोगों से जुड़े ठिकानों की तलाशी ले रही है जिन पर मुआवजा राशि में हेरफेर और संदिग्ध लेनदेन का आरोप है। अधिकारियों का कहना है कि दस्तावेजों की जांच के बाद पूछताछ का दायरा और बढ़ सकता है। हरमीत सिंह खनूजा को रायपुर विशाखापट्टनम आर्थिक कॉरिडोर से जुड़े भूमि मुआवजा घोटाले का अहम किरदार माना जाता है। आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेज और कागजी बंटवारे के

जरिए मुआवजा राशि हासिल करने में मदद की। जांच एजेंसियों के अनुसार म्यूटेशन में हेरफेर कर रकम अलग अलग खातों में ट्रांसफर की गई। इससे पहले आर्थिक अपराध शाखा ने पच्चीस अप्रैल दो हजार पच्चीस को उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए छापेमारी और गिरफ्तारी की थी। जांच में सामने आया है कि भारत माला परियोजना के तहत करीब तैंतालीस करोड़ रुपये का घोटाला हुआ। जमीन को छोटे छोटे हिस्सों में बांटकर एनएचएआई को अठहत्तर करोड़ रुपये का भुगतान दिखाया गया। एसडीएम पटवारी और भू माफिया के एक संगठित नेटवर्क ने बैक डेट में दस्तावेज तैयार कर इस घोटाले को अंजाम दिया। इस मामले में पहले भी प्रशासनिक कार्रवाई हो चुकी है। कोरबा के डिप्टी कलेक्टर शशिकांत कुर्रे और जगदलपुर के निगम आयुक्त निर्भय साहू को निलंबित किया गया था। दोनों अधिकारियों पर जांच रिपोर्ट आने के कई महीने बाद कार्रवाई की गई। निर्भय साहू समेत पांच अधिकारियों और कर्मचारियों पर तैंतालीस करोड़ अठारह लाख रुपये से अधिक की गड़बड़ी का आरोप है। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के अनुसार अभनपुर क्षेत्र के नायकबांधा और उरला गांव में जमीन को एक सौ उनसठ खसरों में बांट दिया गया। मुआवजा पाने के लिए रिकॉर्ड में अस्सी नए नाम जोड़े गए। इससे करीब पांच सौ उनसठ मीटर जमीन की कीमत उनतीस करोड़ पचास लाख रुपये से बढ़कर सत्तर करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच गई।

हरमीत सिंह खनूजा के ठिकानों पर ईडी रेड

सूत्रों के अनुसार श्ष्ठ की टीम ने रायपुर के लॉ विष्टा सोसाइटी स्थित हरमीत सिंह खनूजा के आवास पर दबिश दी है। इसके साथ ही उनके सहयोगियों, सरकारी अधिकारियों और जमीन मालिकों के ठिकानों पर भी एक साथ कार्रवाई चल रही है।बताया जा रहा है कि यह छापेमारी भारत माला प्रोजेक्ट के तहत भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर की जा रही है। महासमुंद जिले में भी श्ष्ठ की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। सुबह करीब 6 बजे, श्ष्ठ की टीम दो वाहनों में महासमुंद के मेघ बसंत इलाके में स्थित व्यवसायी जसबीर सिंह बग्गा के निवास पर पहुंची और छापेमारी शुरू की। छापेमारी के दौरान घर के बाहर सुरक्षा बल तैनात हैं और किसी भी बाहरी व्यक्ति को अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

C M Y K

अवैध धान परिवहन का मामल

किसानों के दस्तावेज दुरुपयोग के विरुद्ध श्याम सुन्दर गुप्ता पर एफआईआर दर्ज

रामानुजगंज। विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के अंतर्गत ग्राम कुर्लडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा अवैध धान परिवहन करने एवं किसानों के ऋण पुस्तिका, बैंक खाता, चेकबुक एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों का दुरूपयोग करने पर 3,7,आवश्यक वस्तु अधिनियम 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। विगत रात्रि लगभग 08 बजे राजस्व तथा पुलिस विभाग के संयुक्त टीम के द्वारा अवैध धान परिवहन कर रहे पिकअप वाहन को दौड़ाकर पकड़ा गया था। वाहन चालक से पूछताछ करने पर कुर्लूडीह निवासी सुन्दर गुप्ता पिता कृष्णकान्त प्रसाद गुप्ता उम्र 35 वर्ष जाति रौनियार के घर में अवैध धान को अनलोड करना बताया गया। इस दौरान संयुक्त टीम द्वारा उनके घर पर दबिश देने पर दो नग कटा हुआ ब्लैंक (बिना भरे हुये) चेक, अन्य तीन का लेखा जोखा की पर्ची 01 नग, एक नग संगीता गुप्ता का बैंक का राशि जमा पर्ची, दीपनारायण का

बैंक जमा पर्ची, राजमनिया, हुबलाल, बलि, लहरू, रूकमनिया का भरा हुआ विड्रॉल फार्म, जिला सहकारी बैंक से इंडियन बैंक सुपाचुवा (उप्र) का आरटीजीएस फार्म, श्याम सन्दर गुप्ता का राशि जमा पर्ची, दोलंगी समिति का तौल पर्ची गणेश पण्डो ग्राम सुन्दरपुर का पाया गया। इस दौरान धान की गिनती की गई,जिसमें लगभग 400 बोरी धान पाया गया है। श्याम सुन्दर गुप्ता के घर में तलाशी करने पर चेक 62 नग, किसान किताब भाग- एक 46 नग, भाग- दो 59 नग, वन अधिकार पुस्तिका 02 नग, केसीसी पास बुक 19 नग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक का पास बुक-161 नग, बड़ा डायरी 13 नग, पॉकेट डायरी 08 नग, कटा हआ चेक 22 नग, डेली अटेंडेंस (बिना भरे हये) जिला सहकारी बैंक का रजिस्टर 02 नग, विड्रॉल फार्म भरा हुआ 261 नग, सामान्य हिसाब-किताब एवं बिल पर्ची 550 नग, विड्रॉल फार्म कोरा (बिना भरे हुये) 01 बण्डल, बैंक का जमा पर्ची एवं टोकन पर्ची 150 नग.धान खरीदी केन्द्र का तौल पर्ची 100 नग, बंधू सरूता के एसबीआई का बैंक पास बुक एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी तथा 02 नग फोटो, रतू कुमार पण्डो ग्राम कुर्लूडीह का 02 नग फोटो प्राप्त हुआ। तलाशी के दौरान नगद राशि 1 लाख 67 हजार 100 रूपये प्राप्त हुआ, जिसे श्याम सुन्दर गुप्ता के छोटे भाई शिवम कुमार के बिजनेस का राशि होना बताया गया है। जांच में पृथक से एक कत्था रंग का बैग पाया गया, जिसे श्याम सुन्दर गुप्ता ने अपना निजी दस्तावेज का बैग होना बताया, जिसकी तलाशी करने पर 05 नग पास बुक, 2 नग किसान किताब भाग- एक, 04 नग चेक बुक, 01 नग कटा हआ चेक बुक, कार वाहन का डाक्युमेंट, आधार कार्ड 09 नग, विभिन्न कृषकों का फोटो 30 नग, एटीएम 12 नग, पेन कार्ड 08 नग. वोटर आईडी 03 नग, ड्राईविंग लायसेंस 01 नग, गाडी का आरसी बुक 01 नग, 05 नग मोबाईल, पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 4218, मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 डीवाय 4601 को अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना सनावल में भेजा गया है। जांच के दौरान श्याम सुन्दर गुप्ता के पिता एवं अन्य तीन के नाम भूमि रजिस्ट्री वर्ष 1978, वर्ष 2005 से 2009 के बीच का अन्य दस्तावेज एवं 1,67,100/- रूपये, (एक लाख सरसठ हजार एक सौ रूपये मात्र) तथा लगभग 400 बोरी धान को कष्णकांत प्रसाद गप्ता पिता रामचंद्र प्रसाद गुप्ता को सुपूर्द में दिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह प्रमाणित होता है कि श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा किसानों के ऋण पुस्तिका, बैंक खाता, चेक बुक आदि महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अपने कब्जे में रखकर अन्य सीमावर्ती प्रांत से धान कम कीमत में लाकर छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केन्द्रों में विक्रय करता है। उक्त राशि ट्रांजेक्शन बड़े पैमाने में स्वयं के एवं अपने परिवार के खाते में राशि अंतरण किया जाना प्रतीत होता है, क्योंकि बैंक के विड्रॉल पर्ची में पूर्व से किसानों का हस्ताक्षर कर अपने पास रखा जाना पाया गया है। उक्त कार्य में अन्य लोगों की भी संलिप्तता पायी जा संकती है। श्याम सुन्दर गुप्ता पिता कृष्णकांत प्रसाद गुप्ता के द्वारा किसानों के साथ छल-कपट कर अवैध धान का विकय कर शासकीय एवं किसानो की राशि का दुरूपयोग किया जाना प्रतीत होता है। जिस पर श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा 3,7, आवश्यक वस्तु अधिनियम 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के विपरित कार्य किया गया है, जिसके लिए उक्त कृत्य पर एफआईआर दर्ज की गई है।

अनुशासनहीनता पर पंचायत सचिव निलंबित

रामानुजगंज। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत विजयनगर के सचिव सिद्धार्थ शंकर हालदार की ड्यूटी रामानुजगंज चेक पोस्ट पर लगाई गई थी इसी दौरान कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा निरीक्षण करने आए हुए थे और अनुपस्थित पाए जाने पर पंचायत सचिव का उपरोक्त कृत्य कार्य के प्रति उनकी घोर लापरवाही, उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है। जो छ.ग.पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम तीन (1) (2) (3) के विपरीत कदाचरण की श्रेणी में आता है। जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा सिद्धार्थ शंकर हालदार को छ.ग.पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम,1999 के नियम 4 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में मुख्यालय जनपद पंचायत बलरामपुर नियत कर नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता का आदेश जारी किया गया है।

खिलाड़ियों ने रखी अपनी मांगए महापौर ने दिया आश्वासन

लखोली खेल मैदान का निरीक्षण करने पहुंचे मेयर मधुसूदन यादव

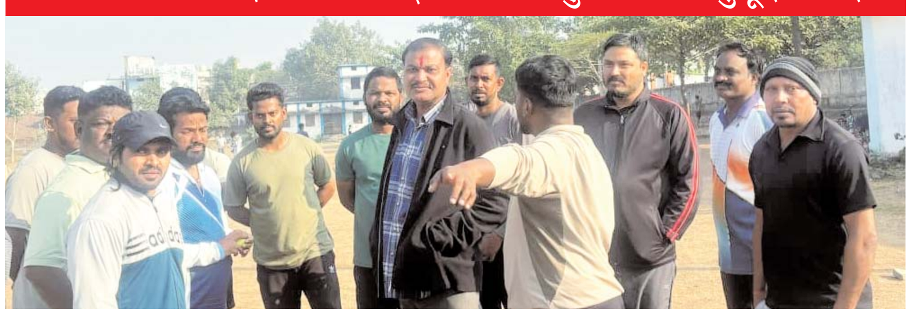

राजनांदगांव। वार्ड विजिट एवं वार्डवासियों से मुलाकात की कड़ी में महापौर मधुसूदन यादव शनिवार सुबह लखोली क्षेत्र का भ्रमण कर स्कूल मैदान में खिलाडियो से मुलाकात किए। इस दौरान खिलाड़ियों ने महापौर से मैदान की समस्या पर ध्यान आकर्षित कराए। महापौर ने विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉण् रमन सिंह को अवगत करा मैदान की समस्या का अतिशीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया। लखोली क्षेत्र निरीक्षण के दौरान महापौर यादव लखोली स्कूल मैदान मे खिलाडियो से मुलाकात कर उनसे खेल संबंधी चर्चा किये। लखोली के अलावा आस पास क्षेत्र के बच्चो को मैदान में खेलते देखए उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है, कि बच्चे रोज खेलने आते है, क्योकि आजकल मोबाईल के कारण खेल के प्रति बच्चो का रूझान कम हो गया है। उन्होंने खिलाडियो से कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिस्क का वास होता है। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खेल भी जरूरी है। खिलाडियो ने महापौर से खेल में आ रही परेशानी से निजात दिलाने मैदान की समस्याओ से अवगत कराया। खिलाडियो ने कहा कि मैदान का समतलीकरण करना है तथा रात में खेलने के लिए हॉईमास्क लाईट की आवश्यकता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मैदान में एक बंद भवन है, उसका मरम्मत कराकर वहा जीम समाग्री लगाया जावे तथा बस्ती तरफ की बाउण्ड्रीवाल की ऊॅचाई बढ़ाई जाए, जिससे बस्ती के कचरा फैकने से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि आपकी मांगो को पूरा करने हमारे विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह से हाईमास्क व जीम समाग्री तथा अन्य कार्य कराने प्रस्ताव तैयार कर आप लोगो की ओर से निवेदन किया जायेगा और शीघ्र ही सभी समस्या का निराकरण किया जाएगा। इस अवसर पर आशीष सोरीए विनोद साहू, प्रकाश यादव, कादिर खान, उमेश साहू, गौरव सोरी व मोनू साहू आदि उपस्थित थे।

प्रदर्शन : भाजपा नेताओं का मुखौटा पहन कांग्रेसियों ने काटा फीता, शराब दुकान का विरोध

पूर्व में वार्डवासी और अब कांग्रेस ने किया प्रदर्शनए रिहाइशी इलाके में दुकान होने से रोष

- लगातार विरोध को देखते हुए बायपास की प्रीमियम शॉप को फिलहाल बंद किया

राजनांदगांव। मोहारा बायपास में खुली प्रीमियम वाइन शॉप का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले वाडवासियों ने इसके खिलाफ चक्काजाम कियाए उसके बाद शनिवार को कांग्रेस इसके लिए आगे आई। कांग्रेसियों ने शराब दुकान को बंद कराने विरोध किया। साथ ही कांग्रेसियों ने भाजपा नेताओं का मुखौटा पहनकर शराब दुकान का फीता काटकर कर प्रदर्शन किया।इसके बाद आबकारी विभाग के अधिकारियों ने दुकान को बंद किया। वहीं 10 दिनों के भीतर इस पर विचार करने की बात कही गई। वहीं कांग्रेसियों ने कहा कि रिहाइशी इलाकों के करीब शराब दुकान नहीं खोलनी चाहिए। मोहारा रोड पर लगातार शराब दुकान का विरोध हो रहा है। इसके पहले भी दो स्थानों का चयन किया गयाए दुकान खोलने की पूरी तैयारी कर ली गई। लेकिल वार्डवासियों के विरोध के बाद उसे बंद किया गया। ऐसी ही अब मोहारा

बायपास में हुआ। कांग्रेसियों ने शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्लेए इकरामुद्दीन सोलंकीए रूपेश दुबेए आसिफ अलीए आमिन हुड्डाए चेतन भानुशालीए राजिक सोलंकी व अन्य नेता मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने साय सरकार के खिलाफकी नारेबाजी

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने काफी नारेबाजी की। साथ ही प्रदेश की साय सरकार के खिलाफ भी अपनी भड़ास निकाली। कांग्रेसियों ने पहले तो शराब दुकान में ताला लगाने की जिद्द पर थे। लेकिन पुलिस टीम और आबकारी अधिकारियों ने कांग्रेसियों को रोका। इसे लेकर उनके बीच तनाव की स्थिति भी बनी। लेकिन बाद में शराब दुकान को बंद करने का निर्णय लिया गया।

सीएम और विधायक के खिलाफभी बयानबयाजी

प्रदर्शन के बाद शराब दुकान तो बंद कर दी गई। फिर पत्रकारों से चर्चा करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा सीएम विष्णु देव साय का जब भी राजनांदगांव दौरा होगाए उस समय काला झंडा दिखाकर विरोध किया जाएगा। वहीं विधायक डॉ.रमन सिंह का भी घेराव करने की बात कही। उन्होंने किसी भी स्थिति मोहारा और शहर के रिहाइशी इलाकों में शराब दुकान खोलने का विरोध करने का बयान दिया।

रायगढ़ में बढ़ते प्रदूषण के विरुद्ध जनआंदोलन का आगाज

नवनिर्माण संकल्प समिति चलाएगी हस्ताक्षर अभियान

रायगढ़। औद्योगिक प्रदूषण, बिगड़ती हवादृपानी की गुणवत्ता और लगातार गहराती स्वच्छता की समस्या के खिलाफ रायगढ़ में एक सशक्त जनआंदोलन की शुरुआत हो गई है। रायगढ़ के प्रसिद्ध शिक्षाविद समाजसेवी रामचंद्र शर्मा के नेतृत्व में नवनिर्माण संकल्प समिति ने जिले भर में हस्ताक्षर अभियान चलाने का ऐलान करते हुए स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर आमजन को एकजुट करने का बीड़ा उठाया है। अभियान की औपचारिक शुरुआत शहर के प्रमुख चैक से की गई, जहां स्वच्छ पर्यावरण हमारा अधिकार और हमारा गांव हमारा शहर-हमारा पर्यावरण-हमारी जिम्मेदारी जैसे नारों के साथ समिति के सदस्यों ने पोस्टर जारी किए। इसी क्रम में शहर के गौरी शंकर मार्ग इतवारी बाजार के समीप नवनिर्माण संकल्प समिति का कार्यालय भी खोला गया, जो पर्यावरण से जुड़े सुझाव, शिकायत और जन सहभागिता का केंद्र बनेगा। नवनिर्माण संकल्प समिति द्वारा चलाया जा रहा यह हस्ताक्षर अभियान गांव-गांव और शहरदृशहर तक पहुंचेगा।

अभियान के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने, औद्योगिक इकाइयों की निगरानी, स्वच्छ जल-वायु की गारंटी और हरित क्षेत्र बढ़ाने जैसी मांगों को जनसमर्थन के साथ प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। जिसके लिए 1 लाख हस्ताक्षर सहित आवेदन पत्र देश के महामहिम राष्ट्रपति को सौंपेंगे।

इस अवसर पर समिति के संयोजक रामचंद्र शर्मा ने कहा स्वच्छ वातावरण कोई उपहार नहीं, यह हमारा मौलिक अधिकार है। यदि आज हम नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा। यह लड़ाई किसी संगठन की नहीं, पूरे रायगढ़ की है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, हरियाली और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण न केवल स्वास्थ्य की रक्षा करता है।

अब शहर में रात 1 से 3 बजे तक स्पेशल ब्लैक पैंथर क्वायड करेगी पेट्रोलिंग

- सुरक्षा पर विशेष बलए पुलिस विभाग ने बनाई नई टीम

राजनांदगांव। शहर में सुरक्षा व्यवस्था को दुरूस्थ करने के लिए पुलिस विभाग ने नई पहल की है। इसे लेकर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने नाइट पेट्रोलिंग के लिए अतिरिक्त टीम का गठन किया है। इसे ब्लैक पैंथर स्क्वाड नाम दिया गया हैए अधिकारियों ने बताया कि यह स्पेशल टीम हर दिन रात एक बजे से चार बजे तक कार व बाइक में गश्त करेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा जो पेट्रोलिंग दिन और रात में की जा रही हैए इसके अलावा थाना स्तर पर तो पार्टियां गश्त पर निकलती हैए वह वैसी ही रहेगी। उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। देर रात बेवजह घूमने वालेए अपराधिक रिकार्ड वालेए अनजान लोगों पर कार्रवाई करने के लिए यह स्पेशल टीम बनाई गई है। इस टीम का पूरा फोकस बस

स्टैंडए रेलवे स्टेशनए निचली बस्तियां और हाइवे पर रहेगा। इसके अलावा भी अलग-अलग लोकेशन पर टीम की पेट्रोलिंग होगी।

नए साल पर रहेगी विशेष व्यवस्था

पुलिस विभाग ने नए साल को लेकर भी विशेष तैयारी कर ली है। इसके लिए चौक चौराहों पर बल तैनात किया जाएगा। इसके अलावा आम लोगों से भी अपील की जा रही है कि वे सुरक्षा का ध्यान रखे और यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाएं। खासकर बिना लाइसेंसए तीन सवारी सफर न करे। इसके अलावा चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग जरूर करें।

श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा 'औघड़ की तकिया' बगीचा द्वारा किया गया द्वितीय चरण कंबल वितरण कार्यक्रम

जशपुरनगर। श्री सर्वेश्वरी समूह के द्वारा पूरे देश में चलाए जा रहे 19 सूत्रीय कार्यक्रम अंतर्गत इस वर्ष के हाड़ कंपाने वाली ठंड को देखते हुए ग्राम पंचायत रोकड़ा में कंबल वितरण का कार्यक्रम किया गया। उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम परम् पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी एवं परम् पूज्य गुरुपद संभव राम जी के तेल चित्र में माल्यार्पण एवं धूप दीप, पूजन, आरती व जयकारे के पश्चात वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण गुप्ता जी द्वारा सर्वेश्वरी समूह द्वारा चलाए जा रहे 19 सूत्रीय कार्यक्रम के बारे में जानकारियां दी गई। इसके बाद कंबल का वितरण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। रोकड़ा एवं महादेव जोबला अंतर्गत रहने वाले गरीब एवं असहाय पहाड़ी कोरवाओं के परिवार के महिला एवं पुरुषों के बीच ग्राम रोकड़ा में कंबल वितरण कार्यक्रम सर्वेश्वरी समूह शाखा - औघड़ की तकिया बगीचा, जिला - जशपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा द्वितीय चरण मे 150 कंबल तथा

स्वच्छ किया हुआ कुछ पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया। ज्ञात हो कि इसके पूर्व में भी श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा बगीचा के महिला संगठन द्वारा प्रथम चरण में बिरहोर जनजाति के बीच 17/12/2025 को 110 कंबल का वितरण किया गया था। इस तरह वर्ष 2025 में अब तक समूह शाखा बगीचा द्वारा 260 कंबल का वितरण किया जा चुका है। कंबल पाकर सभी प्रसन्न हुए।

इस कार्यक्रम को सर्वेश्वरी समूह शाखा बगीचा के उपाध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता, मंत्री भगवान राम गुप्ता, कोषाध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता, संयुक्त मंत्री अवधूत गुप्ता, लेखा परीक्षक तरुण सिंह, रामजीवन शर्मा, राजेंद्र कृष्ण गुप्ता, नंदलाल गुप्ता, पवन अग्रवाल, दुर्गेश शर्मा, अमृत यादव एवं समूह के महिला संगठन के सभी सुप्रिया गुप्ता, संतोष शर्मा, नीलावती देवी, शकुंतला सिंह, दोनों सुनीता गुप्ता सुनावती यदुवंशी, प्रमिला गुप्ता राधा गुप्ता के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम ग्राम पंचायत रोकड़ा के सरपंच उप सरपंच तथा मंगरू राम तथा ग्राम वासियों के विशेष सहयोग प्राप्त हुआ तथा अच्छे से कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंत में परम् पूज्य अघोरेश्वर एवं परम् पूज्य गुरुपद संभव राम जी के तेल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम संपन्न किया गया।

देरी से आने को लेकर धान खरीदी से कर रहे इंकार, अंचल के किसान जूझ रहे दोहरी समस्या से

रायगढ़। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य में धान खरीदी का अंतिम दौर जारी है और जैसे-जैसे यह तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे किसान अपना धान बेचने के लिये टोकन लेने के बाद मंडियो तक पहुंच तो रहे हैं, लेकिन कथित तौर पर जारी एक आदेश के कारण किसानों को दोहरी समस्या से जूझना पड़ रहा है। जिसमें मंडी तक पहुंचने वाले किसानों को यह कहकर लौटाया जा रहा है कि वे दोपहर 1 बजे के बाद पहुंचे हैं और दूसरी उनकी देर से आने की बात को अनसुनी कर दिया जाता है। जानकारी के अनुसार ग्राम टारपाली सहित आसपास के धान खरीदी केन्द्रो में बीते एक सप्ताह से किसान इसी परेशानी के संबंध में बताते हैं कि नियमानुसार टोकन लेने के बाद भी जब मंडी तक अपना धान ट्रेक्टर में लादकर पहुंचते हैं तब संबंधित धान खरीदी केन्द्र में तैनात समिति प्रबंधक के अलावा उनके अधिनस्थ कर्मचारी यह कहकर किसानों को

वापस लौटा देते हैं कि वे मंडी के अंदर एक बजे के बाद प्रवेश कर रहे हैं। कड़कड़ाती ठंड में सुबह से ही अपना धान ट्रेक्टरों में लदवाने वाले किसान इस समस्या के बारे में बताते हैं कि सुबह-सुबह वे पूरी तैयारी के साथ बकायदा धान की बोरियों को गिन कर रखवाते हैं और इस दौरान बोरियों को ट्रेक्टर में चढ़ाने के अलावा धान को व्यवस्थित ढंग से ले जाने के लिये सभी व्यवस्था करते हैं और ऐसे में मंडी पहुंचते तब पांच से दस मिनट लेट हो जाता है और इसका महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि कुछ मंडिया गांव से दूर है, जिसकी समस्या किसानों को ही झेलनी पड़ती है। पीड़ित किसान बताते हैं कि धान खरीदी केन्द्र में सुबह-सुबह जब कुछ किसान पहुंचते हैं तो उन्हे नमी का बहाना करके वापस लौटा दिया जाता है वहीं कुछ किसान दोपहर 1 बजे के बाद मात्र दस मिनट लेट होते हैं तो उन्हें भी वापस जाने के लिये फरमान जारी किया जाता है। किसानों का कहना है कि इस अंग्रेजी फरमान के कारण उन्हें मंडी तक धान लाने के लिये ट्रांसपोर्टिंग व हमाल का चार्ज झेलना पड़ता है और वापस घर जाने की बात सुनने के बाद उन्हें ऐसा लगता है कि वे सरकार की धान नही खरीदने की नीयत के कारण दोहरी परेशानी जूझना पड़ेगा। क्या कहते हैं अधिकारी- इस संबंध में हमने जिले के कई अधिकारियों से बात करनी चाही, लेकिन किसी ने जवाब देना दूर मोबाईल तक नही उठाया, ऐसे में जिला खाद्य अधिकारी चितरंजन सिंह ने जब चर्चा हुई उनका कहना था कि उनके पास भी कुछ किसानों के फेन ग्राम टारपाली सहित अन्य जगहों से आये हैं।

आदतन झगड़ा-विवाद में लिप्त युवक पर जूटमिल पुलिस की प्रतिबंधक कार्रवाई

एसडीएम कोर्ट पेश कर भेजा जेल

रायगढ़। थाना जूटमिल क्षेत्र में आए दिन शराब सेवन कर पारिवारिक झगड़ा-विवाद और मारपीट करने वाले युवक के विरुद्ध पुलिस ने प्रतिबंधक कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बाजीनपाली जूटमिल निवासी नरेन्द्र गोंड द्वारा थाना जूटमिल में अपने छोटे साले हितेश यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका छोटा साला हितेश यादव नियमित रूप से शराब का सेवन कर सास-ससुर एवं उसकी पत्नी के साथ गाली-गलौज करता है तथा मारपीट पर उतारू हो जाता है। आरोपी आए दिन शराब पीने के लिए

पैसे की मांग करता है और पैसे नहीं देने पर घर के सामानों को तोड़-फोड़ कर घरवालों को प्रताड़ित करता है, जिससे पूरा परिवार मानसिक रूप से परेशान है। शिकायत पर पुलिस द्वारा अनावेदक हितेश यादव को थाना तलब कर समझाइश दी गई, किंतु वह पुलिस के समक्ष भी उल्टे शिकायतकर्ताओं को धमकाने लगा और यह कहते हुए गाली-गलौज व मारपीट करने पर उतारू हो गया कि घरवालों ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस व्यवहार से संज्ञेय अपराध घटित होने तथा क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल आशंका को देखते हुए पुलिस ने आरोपी हितेश यादव पिता रतिराम यादव उम्र 30 साल झोपडीपारा जुटमिल पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शांति व्यवस्था भंग होने की अंदेशा पर अनावेदकों को तत्काल गिरफ्तार धारा 170,126,135(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत कार्यवाही कर एसडीएम कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुरानी रंजिश में कि मारपीट, अपराध दर्ज

अम्बिकापुर। बौरीपारा अम्बिकापुर निवासी अमित गुप्ता के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने वाले युवक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना में ले लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बौरीपारा अम्बिकापुर निवासी अमित गुप्ता जो कि असोला में माँ महामाया एग्रो एजेंसी का संचालक है, पड़ोस के ही रामविलास सिंह के भतीजे के शादी में शामिल होने होटल इन बौरीपारा जा रहा था तभी मिश्रा होटल के समीप विपिन सिंह से सामना हुआ जो अमित गुप्ता से पुरानी रंजिश रखता था,बिपिन सिंह ने अमित गुप्ता को पकड़कर जान से मारने की धमकी देते हुए गला दबा कर लात और घुस्सों से जमकर मारपीट कर दी जिससे अमित गुप्ता के शरीर के विभिन्न हिस्सों में गहरी चोट आई है,अमित गुप्ता के शिकायत पर आरोपी विपिन सिंह पर अम्बिकापुर शहर थाना में विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है,जांच जारी है...राजधानी रायपुर से लेकर दक्षिणी छोर बस्तर एवं उतरी छोर सरगुजा के विभिन्न हिस्सो से लगातार इस प्रकार की घटना सरकार की विफलता का पोल खोल रही है, छत्तीसगढ़ में वर्दीधारी से लेकर व्यवसायी एवं आम जनता तक कोई सुरक्षित नहीं है,आगे देखना होगा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था सच्चे अर्थों में बहाल होती है या ऐसे ही स्थिति चरमराकर रह जाएगी..

संक्षिप्त समाचार

न्यू ईयर ईव में एमडी ड्रग्स सप्लाय करने वाला सबसे बड़ा तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। न्यू ईयर ईव के मद्देनजर आयोजित होने वाली पार्टियों में एम.डी. ड्रग्स सप्लाय करने वाले दुर्ग के तस्कर को पुलिस ने सिद्धार्थ चौक, नरैय्या तालाब के पास रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम अब्दुल करीम उर्फ समीर (26) निवासी पाटन, जिला दुर्ग है। उसकी गिरफ्तारी एण्टी क्राइम एण्डसाइबर यूनिट और थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के तहत हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी न्यू ईयर पार्टीज़ के लिए आउटडोर फर्म हाउस और क्लबों में एम.डी. ड्रग्स की सप्लाई कर रहा था। पूछताछ में सामने आया कि दुर्ग और रायपुर के कुछ ग्राहक और सप्लायर भी इस सिंडिकेट से जुड़े हैं, जिनकी अब पतासाजी की जा रही है। आरोपी के कब्जे से 04 ग्राम 790 मिलीग्राम एम.डी. ड्रग्स और 01 नग मोबाइल फोन जप्त किया गया, जिनकी कुल कीमत लगभग 55,000/- रुपये है। अभियान के तहत आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 357/25 धारा 21ए नारकोटिक एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी लगातार पुलिस को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था।

खारुन नदी तट पर अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई

रायपुर। उप संचालक (खनिज प्रशासन), रायपुर के निर्देशानुसार जिला रायपुर के खनिज अमले द्वारा खारुन नदी तट पर ग्राम दतरेंगी, सातपाखर डेम के समीप निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नदी के दूसरे तट पर जिला दुर्ग सीमाक्षेत्र अंतर्गत सक्शन मशीन लगाकर अवैध रूप से रेत उत्खनन किए जाने का मामला सामने आया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उप संचालक (खनिज प्रशासन), जिला दुर्ग से दूरभाष पर संपर्क कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। इसके पश्चात जिला दुर्ग के खनिज अमले को संयुक्त कार्रवाई हेतु मौके पर भेजा गया। रायपुर एवं दुर्ग जिले के खनिज अमले द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मौके से एक नग सक्शन मशीन मय नाव तथा एक नग चैन माउंट मशीन को जब्त किया गया। संयुक्त कार्रवाई का मौके पर पंचनामा तैयार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई हेतु प्रकरण जिला दुर्ग को सुपुर्द कर दिया गया। प्रशासन द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है तथा भविष्य में भी ऐसे मामलों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर रायपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रायपुर। आगामी जनगणना-2027 के सफल आयोजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रायपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी देना तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत अमले को कार्यकुशल बनाना रहा। कार्यक्रम में बताया गया कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं। यह आंकड़े शासन की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों एवं नीतिगत निर्णयों के लिए आधार प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जनगणना के चरणों, डिजिटल माध्यम से डेटा संग्रह।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने फरसाबहार, कुनकुरी और मनोरा में पोषण पुनर्वास केन्द्र का किया शुभारंभ

स्वास्थ्य सुविधा के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध-मुख्यमंत्री साय

■ सीएचसी फरसाबहार में निर्माणाधीन श्री सत्य साईं मातृत्व-शिशु चिकित्सालय का किया मुआयना

रायपुर/ संवाददाता

सीएचसी फरसाबहार में निर्माणाधीन श्री सत्य साईं मातृत्व-शिशु चिकित्सालय का किया मुआयनामुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान फरसाबहार के साथ-साथ कुनकुरी एवं मनोरा में स्थापित किए गए पोषण पुनर्वास केंद्रों का शुभारंभ किया। इन तीनों पुनर्वास केंद्रों को 10-10 बिस्तरों की सुविधा के साथ प्रारंभ किया गया है। इनके शुभारंभ के साथ ही जशपुर जिले में पोषण पुनर्वास केंद्रों की संख्या 6 हो गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कुपोषित बच्चों की माताओं से बच्चों के स्वास्थ्य और उनके ईलाज के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री इस मौके पर बच्चों के लिए पोषण कीट के साथ खिलौने भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने सीएचसी फरसाबहार में निर्माणाधीन श्री सत्य साईं मातृत्व शिशु चिकित्सालय का मुआयना किया। यह हॉस्पिटल मुख्यमंत्री श्री साय के विशेष प्रयासों से बन रहा है, इससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेंगी। इसमें नवजात शिशुओं एवं बच्चों के उपचार के साथ-साथ गर्भवती माताओं के लिए भी ऑपरेशन सहित सभी आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएँ विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएँगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना

हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में जिले में मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, कमिश्नर श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा, आईजी श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

जशपुर जिले के शासकीय विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने नई पहल

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में आज बगिया में जशपुर जिले के शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन जशपुर, एसईसीएल एवं ईडीसीआईएल के मध्य त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर श्री रोहित व्यास, एसईसीएल की ओर से जनरल मैनेजर श्री सी. एम. वर्मा तथा ईडीसीआईएल की ओर से प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री विकास सहरावत ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को रोचक एवं प्रभावी बनाना समय की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के बच्चों को भी शहरों के समान बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जा सके। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में नवाचार, जिज्ञासा एवं तकनीकी दक्षता का विकास होगा, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। एमओयू के तहत जशपुर जिले के चयनित शासकीय विद्यालयों में चरणबद्ध रूप से इंटरएक्टिव पैनल स्थापित किए जाएंगे। इन उपकरणों के माध्यम से शिक्षक डिजिटल कंटेंट, वीडियो, प्रेजेंटेशन एवं ई-लर्निंग संसाधनों का उपयोग कर कक्षाओं को अधिक रोचक, सरल एवं प्रभावी बना सकेंगे। साथ ही एमओयू में इंटरएक्टिव पैनल की स्थापना के साथ-साथ उनके प्रशिक्षण, संचालन एवं नियमित मेंटेनेंस के प्रावधान भी शामिल किए गए हैं।

ट्रेलर और बोरवेल वाहन के नीचे आए बाइक सवार

रायपुर। जिले में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन बाइक सवार चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए। एक हादसा बालको थाना क्षेत्र में, जबकि दूसरा उरगा थाना क्षेत्र में हुआ। दोनों ही मामलों में वाहन बाइक सवारों के ऊपर से गुजरने की स्थिति में थे, लेकिन समय रहते ब्रेक लगने और हेलमेट पहनने के कारण बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल तीनों घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पहली घटना बालको थाना अंतर्गत दर्री मुख्य मार्ग स्थित डेम चैक के पास गुरुवार सुबह घटी। यहां तेज रफ्तार ट्रेलर ने मोपेड पर मछली बेचने जा रहे एक व्यक्ति और एक अन्य बाइक सवार को टक्कर मार दी। मोपेड सवार ट्रेलर की चपेट में आकर सीधे वाहन के पहियों के नीचे जा गिरा, जबकि उसकी मोपेड भी ट्रेलर के नीचे फंस गई। गनीमत रही कि वह पहियों के बीच गिरा और किसी तरह जान बच गई। वहीं, दूसरे बाइक सवार ने हेलमेट पहन रखा था। टक्कर के बाद वह दूर जा गिरा, जिससे गंभीर चोट से बच गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। दूसरी घटना उरगा थाना क्षेत्र के कनकी के पास हुई। यहां एक बोरवेल वाहन ने पतोरा निवासी एक युवक की बाइक को टक्कर मार दी। युवक कोरबा से काम निपटाकर घर लौट रहा था। टक्कर के बाद बाइक बोरवेल वाहन के पहियों के नीचे आ गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। युवक भी वाहन के नीचे आ गया था।

उप मुख्यमंत्री शर्मा से जिला पंचायत अध्यक्षों ने विभिन्न मांगों पर की चर्चा

■ वीबी-जी राम जी अधिनियम से पारदर्शी व्यवस्था एवं समयबद्ध मजदूरी भुगतान होंगे सुनिश्चित

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने शनिवार को अपने निवास कार्यालय में जिला पंचायत अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्षों ने अपने क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अपेक्षाओं को उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखा तथा मानदेय, भ्रमण-यात्रा, आवास

एवं अन्य भत्तों में वृद्धि, उचित सुरक्षा व्यवस्था और वाहन किराए में संशोधन जैसी मांगों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना और उन पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी जी राम जी अधिनियम 2025 सहित जिला पंचायतों से जुड़े प्रमुख विकासात्मक विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत ञ्च2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में जिला पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। योजनाओं का वैज्ञानिक नियोजन, आधुनिक तकनीक का उपयोग और जनप्रतिनिधियों का सतत क्षमता विकास ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाएगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि नए अधिनियम के तहत अब ग्रामीण परिवारों को 125 दिवस तक रोजगार की गारंटी मिलेगी। जल संरक्षण, ग्रामीण अधोसंरचना, सौर ऊर्जा और आजीविका संवर्धन पर विशेष जोर दिया गया है, साथ ही कमजोर वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से समयबद्ध मजदूरी भुगतान भी सुनिश्चित किया जाएगा।

मिशन संचालक ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

■ ग्राम नगरी में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन का जायजा लिया

रायपुर/ संवाददाता

मिशन संचालक ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की : ग्राम नगरी में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन का जायजा लिया मिशन संचालक श्री जितेन्द्र शुक्ला द्वारा रविवार को विश्राम गृह कोंडागांव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की विभागीय बैठक ली गई , जिसमें जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति और विद्युत कनेक्शन की की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने प्रगतिरत कार्यों को समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने दिए निर्देशित किया। तत्पश्चात उन्होंने कोंडागांव ज़िले के ग्राम पंचायत नगरी ग्राम नगरी में जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का निरीक्षण। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अविनाश भोई भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान ग्राम नगरी में टंकी आधारित नल जल प्रदाय योजना, हर घर नल कनेक्शन, पाइपलाइन नेटवर्क तथा अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई, जिसमें अधिकारियों ने सरपंच श्री विक्रम बघेल एवं हितग्राहियों से सीधे चर्चा कर योजना से मिल रहे लाभों की जानकारी ली और ग्रामीणों को योजना से लाभान्वित 158 घरेलू कनेक्शन के संचालन एवं संधारण के तरीकों से अवगत कराया, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था लंबे समय तक सुचारु बनी रहे। योजना में संचालित कलोरोनिटर मशीन की तकनीकी जानकारी एवं उससे होने वाले फायदे के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता श्री जी. एल. लखेरा, श्री बी एन भोयर कार्यपालन अभियंता कांकेर, कार्यपालन अभियंता श्री वीरेन्द्र पाण्डेय , सहायक अभियंता श्री सी.एस. सोनवानी, उप अभियंता श्री अजय कुमार टोप्पो सहित विभागीय अमला तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक्सटेंडेड एश्योर्ड बायबैक प्रोग्राम पेश किया

नईदिल्ली। आज जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों पर एश्योर्ड बाय बैक प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की, ताकि ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना और अधिक आसान व सुगम हो सके। इस घोषणा के बाद जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया देश का पहला कार ब्रांड बन गया है, जो अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मौजूदा 3 साल से 5 साल तक की अवधि के लिए एश्योर्ड बायबैक प्रदान कर रहा है। इस प्रोगाम द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन के खरीदारों को निर्धारित अवधि के बाद अपने वाहन के लिए फिक्स्ड रिसेल वैल्यू मिल सकेगी। इस नए व अद्वितीय प्रोग्राम के माध्यम से एमजी इलेक्ट्रिक वाहन के मालिकों को चयनित प्लान के आधार पर 3 साल, 4 साल या 5 साल के बाद गारंटीड रिसेल वैल्यू प्राप्त होगी। इस प्रोग्राम ने एमजी मोटर की मौजूदा पेशकशों को मजबूत बनाया है, जिसके अंतर्गत स्वामित्व के 3 सालों के बाद 60त्न तक की बाय-बैक वैल्यू की गारंटी मिलेगी। इसका संचालन किसी भी लोन या फाईनेंस स्कीम से अलग स्वतंत्र रूप से होगा। देश में पहली बार कमर्शियल एमजी जैड एस इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिक अपने 3 साल तक पुराने एमजी वाहनों पर रिसेल के लाभ प्राप्त कर सकेंगे तथा उन्हें प्रतिवर्ष 60,000 रुपये तक का माईलेज मिलेगा। इस इनोवेटिव बायबैक प्रोग्राम के बारे में जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, अनुराग महरोत्रा ने बताया कि "एमजी ने एक ग्राहक केंद्रित ब्रांड के रूप में बी-ए-ए-एस (बैटरी एज़ ए सर्विस) औरई.वी बैटरी पर लाईफटाईम वॉरंटी जैसे प्रोग्रा पेश किए हैं, ताकि ई.वी का स्वामित्व मोबिलिटी का बेहतरीन अनुभव प्रदान करे। ई.वी के खरीददार रिसेल वैल्यू को बहुत ज्यादा महत्व देते हैं। लॉकटन इंडिया इंश्योरेंस ब्रोकिंग एंड एडवाईज़री लिमिटेड द्वारा जुनो जनरल इंश्योरेंस के साथ साझेदारी में पेश किए जा रहे हमारे एमजी वैल्यू प्रॉमिज़ प्रोग्राम (एश्योर्ड बायबैक) के माध्यम से हम एमजी के मालिकों को 3 से 5 साल की अवधि के लिए एश्योर्ड रिसेल वैल्यू प्रदान कर रहे हैं।

धान की खरीदी अभियान से किसानों में हर्ष व्याप्त

रायपुर। जिले में धान खरीदी अभियान से किसानों में हर्ष व्याप्त है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान खरीदी महाभियान के तहत शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक के मान से धान खरीदी की जा रही है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में धान खरीदी सुचारू संचालन के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है। धान खरीदी कार्य के लिए इलेक्ट्रानिक तौल मशीन, पेयजल, छांव, बायोमैट्रिक डिवाईस मशीन, श्रमिक एवं अन्य व्यवस्था की गई है। आर्द्रता मापी यंत्र से किसानों के धान का परीक्षण किया जा रहा है। जिले के सभी 96 धान खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी की दर एवं सूची व फ्लैक्स लगाए गए है। कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों की सतत निगरानी रखने तथा कोचियों एवं बिचौलियों से अवैध धान की खरीदी पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। धान बिक्री के लिए किसान टोकन तुंहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से टोकन प्राप्त कर रहे है। जिससे उनके समय की बचत हो रही है और उन्हें सुविधा मिल रही है। उल्लेखनीय है कि अब तक जिले में 58641 पंजीकृत किसानों से 720 करोड़ 44 लाख 45 हजार रूपए मूल्य का 3034230.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। धान का उठाव भी लगातार जारी है। अब तक धान उपार्जन केन्द्रों से 491592.28 क्विंटल धान का उठाव किया गया है।

देश-विदेश के पर्यटक आ रहे हैं संग्रहालय

जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का उद्देश्य हो रहा सार्थक

■ विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा आम लोगों के लिए बना प्रेरणा और ज्ञान का केन्द्र

■ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रजत जयंती वर्ष पर 01 नवंबर को जनजातीय संग्रहालय को जनता को किया था समर्पित

रायपुर/ संवाददाता

नवा रायपुर के आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में अंग्रेजी हुकुमत के दौरान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बने शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय संग्रहालय अपने उद्देश्यों में सार्थक कर रहा है। संग्रहालय को देखने देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आ रहे हैं, वहीं संग्रहालय विद्यार्थियों-शोधार्थियों सहित आम लोगों के लिए प्रेरणा और ज्ञान का केन्द्र बन रहा है। स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के साथ ही बड़ी संख्या में आमजन संग्रहालय को देखने पहुंच रहे हैं। उद्घाटन के बाद लगभग दो महीनों के अंतराल में ही 72 हजार से अधिक दर्शक ने संग्रहालय का अवलोकन कर चुके है। गौरतलब है कि आदिम जाति विकास विभाग के मार्गदर्शन में जनजातीय संस्कृति परंपराओं पर आधारित म्यूजियम तथा शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी म्यूजियम का निर्माण तेजी के साथ पूरा हुआ है। वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और विभागीय मंत्री श्री राम विचार द्वारा भी निर्माण कार्यो की सतत निगरानी और दिशा-निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव रजत जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 01 नवम्बर को इस भव्य संग्रहालय को लोगों को समर्पित किया गया। आगन्तुकों के लिए शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय आकर्षण और उत्साह का केंद्र बना हुआ है। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक शहीद वीर

नारायण सिंह स्मारक सह-जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों उद्घाटन होना गौरव की बात है। श्री बोरा ने कहा कि काफी संख्या में लोग संग्रहालय देखने आ रहे हैं, इससे संग्रहालय बनाने का उद्देश्य सार्थक हो रहा है। विशेषकर छुट्टियों और त्यौहारों के दिनों में लोग बड़ी संख्या में संग्रहालय आते हैं, विभाग द्वारा भी आगंतुकों के हिसाब से सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है। दर्शकों को जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान संबंधी जानकारी के लिए गाइड की भी व्यवस्था की गई है। संग्रहालय पूरी तरह से डिजिटली है। संग्रहालय के अंदर मॉनीटर पर दिये गए क्यू आर कोड स्कैन कर तथा माइक्रोफोन के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त करने की व्यवस्था भी की गई है। इसके साथ ही दिव्यांगों, महिलाओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए व्हीलचेयर व शिशुवती महिलाओं के लिए शिशु देख-रेख कक्ष बनायी गई है। इस संग्रहालय के शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने लगा है। श्री बोरा ने कहा कि संग्रहालय का धरातल में आने से नई पीढ़ियों को अपने पुरखों की वीरता और साहस को याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फजनजातीय वर्गों के लिए बल्कि सभी लोगों के लिए प्रेरणाप्रद है। संग्रहालाध्यक्ष डॉ. अनिल वीरूलकर ने बताया कि संग्रहालय देखने आने वाले दर्शकों में काफी उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। संग्रहालय में प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से भी पर्यटक आ रहे हैं। हाल ही में नीदरलैंड के पर्यटकों का दल जनजातीय संग्रहालय देखने आये थे उन लोगों ने भी इस डिजिटल संग्रहालय की काफी प्रशंसा की। पिछले माह नवा रायपुर में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित डीजीपी कॉन्फ्रेंस के दौरान बड़ी संख्या में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने भी संग्रहालय का भ्रमण कर काफी सराहना की है। इसके साथ ही सेना के अधिकारी, प्रशासनिक प्रशिक्षु अधिकारी स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में आ रहे हैं। संग्रहालय परिसर में पर्यटकों व आगंतुकों के हिसाब से शुद्ध पेयजल, पार्किंग, शौचालय तथा सूचना केंद्र की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। संग्रहालय पूरी तरह सीसीटीवी से लैस है।

संपादकीय

मतदाता सूची से बाहर किया जाएगा उनका भविष्य क्या होगा?

बिहार की तर्ज पर अब अन्य राज्यों में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों के नाम इस सूची से हटाए जाने की आशंका है। चुनाव आयोगकी ओर से हाल में जारी मसौदा सूची में तमिलनाडु में 97.40 लाख और गुजरात में 73.73 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें समय पर आवश्यक दस्तावेज दर्ज न कराना भी शामिल है। अंतिम सूची जारी होने से पहले ऐसे लोगों को अपनी आपत्तियां और दावे पेश करने का मौका दिया जाएगा और संभव है कि कई मतदाताओं के नाम फिर से जुड़ जाएंगे। मसौदा सूची के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो उससे यही लगता है कि नाम दर्ज कराने के आखिरी अवसर के बाद भी बड़ी संख्या में लोगइस सूची से बाहर रह जाएंगे। सवाल है कि अगर इन लोगों के पास मतदान की पात्रता नही है, तो पहले इनका नाम क्यों और कैसे मतदाता सूची में था? बिहार में एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर सबसे पहले पहचान पत्र के मसले पर विवाद पैदा हुआ था। चुनाव आयोगने आधार कार्ड को नागरिकता का पहचान पत्र मानने से इनकार दिया था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आधार को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल किया गया। बिहार में भी मसौदा सूची में करीब पैंसठ लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। हालांकि बाद में उसमें कई नाम जोड़े गए, इसके बावजूद अंतिम सूची में करीब सैंतालीस लाख लोगमतदाता सूची से बाहर हो गए। शीर्ष अदालत ने इस पर सूची से हटाए गए लोगों का कारण सहित विस्तृत ब्योरा मांगा। यही स्थिति अब अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रही है। इस सबके बीच विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और चुनाव आयोगकी विश्वसनीयता को भी कसौटी पर कसा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तो मसविदा सूची से हटाए गए लोगों का सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर सत्यापन करने की मुहिम शुरू कर दी है। ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर चुनाव आयोगपर आम लोगों और राजनीतिक दलों का भरोसा क्यों डगमगाने लगा है? इसमें दोराय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन कर अपात्र लोगों या मृतकों के नाम हटाए जाने जरूरी है। मगर इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का पैमाना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि न तो किसी के मन में कोई आशंका रहे और न ही कहीं से कोई सवाल उठने की गुंजाइश बचे। यह चुनाव आयोगकी प्राथमिक जिम्मेदारी है कि अगर किसी को कोई आशंका हो, तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए। ऐसा न होने पर आयोगकी विश्वसनीयता पर अंगुली उठना स्वाभाविक है। एक अहम सवाल यह भी है कि जिन लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा, उनका भविष्य क्या होगा? क्या वे देश के नागरिक बने रहेंगे या नहीं, क्योंकि देश के हर नागरिक को मतदान का अधिकार है और जब उनका यही अधिकार खत्म हो जाएगा, तो उनकी नागरिकता पर भी देर-सवेर सवाल उठेगा ही।

दिल्ली में नहीं चलेगा चाइनीज प्लान, पेइचिंगने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया, हमारी चुनौतियां अलग

आर्थिक लागत - कई बातें भारत नहीं कर सकता, जैसे पेइचिंगकी तरह 3000 भारी उद्योगको कहीं और शिफ्ट करना। इससे पूरे इलाके में उद्योगनहीं बचेगा। आर्थिक रूप से ऐसा कदम बहुत नुकसानदायक है। इससे सामाजिक अस्थिरता पैदा होगी। अगला बड़ा सवाल लागत का है। सही आंकड़े तो नहीं पता, लेकिन इतना तय है कि पेइचिंगने साफ हवा के लिए अरबों डॉलर खर्च किए हैं। भारत के लिए यह संभव नहीं। अलगचुनौतियां - दिगी के सामने ऐसी कई चुनौतियां हैं, जो पेइचिंगके सामने नहीं थीं, मसलन पराली जलाने की समस्या। इसी तरह, 2000 के दशक में ही चीन के ज्यादातर घरों में गैस इस्तेमाल होने लगी थी। वहीं, दिगी-एनसीआर में प्रदूषण की एक वजह खाना पकाने के लिए बायोमास का इस्तेमाल भी है। फिर दिगी में लाखों छोटे उद्योग-धंधे हैं, जिन्हें क्लीन एनर्जी पर शिफ्ट करने के लिए सहायता देनी चाहिए। कुल मिलाकर, पेइचिंगऔर दुनिया के कई दूसरे शहरों से दिगी बहुत कुछ सीख सकती है,

(अभिषेक पाण्डेय)

दिल्ली के वायु प्रदूषण पर चीन के सुझावों को लेकर शोधकर्ताओं ने पेइचिंगमॉडल का अध्ययन किया है। चीन ने कम समय में वायु गुणवत्ता में सुधार किया है। भारत को चीन के अनुभवों से सीखना चाहिए, लेकिन अपनी परिस्थितियों के अनुसार समाधान खोजना होगा। पेइचिंगमॉडल की नकल भारत में संभव नहीं है।

दिल्ली के प्रदूषण को लेकर सोशल मीडिया पर आजकल खूब चुटकी ली जा रही है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता का हालिया ट्वीट भी ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि पेइचिंगको जिन तरीकों से वायु प्रदूषण से मुक्ति मिली, वे तरीके वह दिगी को बता सकती हैं। मगर यह बिना मांगे और बेकार का सुझाव है। अधूरी सूचना - मैंने और भारत के कई दूसरे रिसर्चर्स ने भी पेइचिंगके प्रदूषण और उसमें आई कमी को देखा है। हमने 'पेइचिंगमॉडल' का अध्ययन किया है। इसकी कामयाबी और सीमाओं को समझा है। सबसे पहले तो यह मानना जरूरी है कि चीन से आने वाली सूचना कभी पूरी नहीं होती और उस पर सख्त सरकारी नियंत्रण होता है।

जवाब चाहिए - पेइचिंगके बारे में जानकारी नहीं मिलती कि प्रदूषण नियंत्रण पर उसे कितना पैसा खर्च करना पड़ा। प्राइवेट सेक्टर पर कैसी जिम्मेदारी डाली गई? प्रदूषण कम करने के लिए नियमों का पालन कैसे कराया गया और इन सबकी सामाजिक लागत क्या रही?

नकल नहीं - इसमें कोई संदेह नहीं कि पेइचिंगने कम वक्त में एयर क्वॉलिटी में काफी सुधार किया। भारत उसके अनुभवों से सीख सकता है और सीखना भी चाहिए, लेकिन इसका मतलब नकल करना नहीं है। हमें साफ तौर पर समझना होगा कि क्या लागू किया जा सकता है और क्या नहीं। यह भी देखना होगा कि भारत की समस्या किस तरह से अलगहै और उसके लिए कौन-से समाधान चाहिए।

रीजनल एक्शन प्लान-चीन ने पेइचिंग-तिआनजिन-हेबेई में एक साथ काम किया। यह इलाका करीब 2.2 लाख वर्ग किमी में फैला है। इसके तहत दो केंद्र शासित क्षेत्र हैं - पेइचिंगऔर तिआनजिन, जबकि हेबेई प्रांत में 11 शहर आते हैं। इसलिए इस काम के लिए आपसी तालमेल चुनौतीपूर्ण था, लेकिन वहां प्रशासनिक ढांचा सरल है इसलिए यह मुमकिन हो पाया।

नया मॉडल चाहिए - दिगी में इसी तरह का मॉडल लागू करना कहीं ज्यादा मुश्किल है। यहां योजना को असरदार बनाने के लिए 150 किमी का एरिया शामिल करना होगा। इसमें दिगी, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के इलाके आ जाएंगे। दिगी में ही तीन स्तरों पर शासन चलता है - केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय। ऐसे में यहां नया प्रशासनिक मॉडल बनाना पड़ेगा।

सख्त नियम - पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ईवी के मामले में भी पेइचिंगसे कुछ सबक सीखा जा सकता है। उसने उत्सर्जन मानक कड़े कर दिए, साफ ईंधन अपनाया और पुराने वाहनों को हटा दिया। दिगी में भी ये उपाय किए जा रहे हैं, पर उतनी सफलता नहीं मिली है। एक बड़ा फर्क यह है कि पेइचिंगने निजी वाहनों की बढ़ोत्तरी पर सख्ती से रोक लगाई। हमें पूरे एनसीआर में पेइचिंगकी तरह विश्वस्तरीय पब्लिक ट्रांसपोर्ट और इलेक्ट्रिक गाड़ियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है।

कोयले पर पाबंदी - पेइचिंगने कोयले का इस्तेमाल 90त्र तक घटा दिया और पावर प्लांट पर सख्त नियंत्रण लगाया है। दिगी ने अपने थर्मल पावर प्लांट बंद कर दिए हैं और कई उद्योगों को शहर से बाहर शिफ्ट किया है, लेकिन पूरे एयरशेड में कोयले का इस्तेमाल अब भी काफी ज्यादा है।

आर्थिक लागत - कई बातें भारत नहीं कर सकता, जैसे पेइचिंगकी तरह 3000 भारी उद्योगको कहीं और शिफ्ट करना। इससे पूरे इलाके में उद्योगनहीं बचेगा। आर्थिक रूप से ऐसा कदम बहुत नुकसानदायक है। इससे सामाजिक अस्थिरता पैदा होगी। अगला बड़ा सवाल लागत का है। सही आंकड़े तो नहीं पता, लेकिन इतना तय है कि पेइचिंगने साफ हवा के लिए अरबों डॉलर खर्च किए हैं। भारत के लिए यह संभव नहीं। अलगचुनौतियां - दिगी के सामने ऐसी कई चुनौतियां हैं, जो पेइचिंगके सामने नहीं थीं, मसलन पराली जलाने की समस्या। इसी तरह, 2000 के दशक में ही चीन के ज्यादातर घरों में गैस इस्तेमाल होने लगी थी। वहीं, दिगी-एनसीआर में प्रदूषण की एक वजह खाना पकाने के लिए बायोमास का इस्तेमाल भी है। फिर दिगी में लाखों छोटे उद्योग-धंधे हैं, जिन्हें क्लीन एनर्जी पर शिफ्ट करने के लिए सहायता देनी चाहिए। कुल मिलाकर, पेइचिंगऔर दुनिया के कई दूसरे शहरों से दिगी बहुत कुछ सीख सकती है, लेकिन भारतीय स्थितियों के अनुसार उसे अपनी योजना तैयार करनी होगी।

(लेखक आईफारेस्ट के सीईओ हैं)

जीवन को सार्थक कैसे बनाया जाए...

यह सोचा जाए कि इस जीवन को कैसे सार्थक और सुफल किया जाए। जीवन कुछ कर दिखाने का अवसर प्रदान करता है। आपका प्रतिदिन ऐसा होना चाहिए जिसमें पूरे जीवन की झांकी प्रतिबिंबित हो। यह नहीं सोचना चाहिए कि हमको यहीं रहना है।

(ज्योतिषाचार्य आशुतोष वार्ष्णेय)

जीवन केवल सोचने, विचारने, परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने या मनोवृत्तियों तक सीमित नहीं है। न ही जीवन की सच्चाई केवल जन्म लेने और मृत्यु को प्राप्त होने के बीच का समय मात्र है। जीवन को केवल धन-संपदा या गरीबी, सुख-दुःख, रोग-कष्ट के आधार पर समझना भी अधूरा दृष्टिकोण है।

जीवन के सभी अर्थ व परिभाषाएं अपूर्ण, सीमित व संकुचित हैं और जीवन के सम्पूर्ण पहलुओं पर दृष्टिपात नहीं करती है। वास्तव में जीवन का अर्थ बहुत व्यापक है। यह केवल सोचने, विचारने और मनोवृत्ति व परिस्थितियों के अनुकूल ढालने तक ही सीमित नहीं है। जीवन की वास्तविकता जन्म लेने और अन्त में मर जाने तक ही सीमित नहीं है। यह न केवल धन में और न गरीबी में, दुःख, रोगऔर कष्ट के विभिन्न रूपों में समझी जा सकती है बल्कि इसका चित्रण एक पक्षीय न कर, बहुपक्षीय करने पर भी पूर्ण नहीं होता है। अच्छा-बुरा इस जीवन में कुछ भी नहीं है। एक व्यक्ति जिसको अच्छा समझता है, दूसरा व्यक्ति उसी चीज को खराब समझता है।

यह सोचा जाए कि इस जीवन को कैसे सार्थक और सुफल किया जाए। जीवन कुछ कर दिखाने का अवसर प्रदान करता है। आपका प्रतिदिन ऐसा होना चाहिए जिसमें पूरे जीवन की झांकी प्रतिबिंबित हो। यह नहीं सोचना चाहिए कि हमको यहीं रहना है। जीवन के परम अर्थ या मृत्यु के बाद कहां जायेंगे यह भी इसी जीवन में सोचने का विषय है। पहले हम क्या थे और मृत्यु के बाद कहां जायेंगे इसका सोच-विचार और चिंतन भी इसी जीवन में करनी है।

जीवन का ध्येय 'मनसा वाचा कर्मणा' सबको सुख पहुंचाना होना चाहिए। असली जीवन अपने कर्तव्यों का सही ढंगसे पालन करना है। हम केवल अधिकार व स्वतन्त्रता की मांगकरते हैं, अपना कर्त्तव्य भूल जाते हैं। जीवन एक सुन्दर सपना नहीं बल्कि कार्यक्षेत्र व रणक्षेत्र है जहाँ ड्रामे के विभिन्न पात्र स्टेज पर अपना-अपना रोल प्रदर्शित कर चले जाते हैं। किसका रोल कैसा है और उसे कितनी सफलता मिली, वह दर्शक ही बता सकेंगे।

आदर्शवादिता को छोड़कर वास्तविकता ग्रहण करना ही असली जीवन है। जीवन एक चुनौती है, जिसे स्वीकार करो। जीवन न पूरा आशावादी है और न पूरा निराशावादी। उसके लिए कठोर साधना की आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपना जीवन सफल बनाने हेतु स्वयं प्रयत्न करने की आवश्यकता है। महात्माजन के अनुसार जीवन तो प्रभु को पाने का एक साधन है। प्रभु को केवल इस नर शरीर में ही पा सकते हैं। यह मानव शरीर सम्पूर्ण ब्रह्माण्डीय रचना का एक अंश मात्र है। परमात्मा को पाने और आवागमन से मुक्ति हेतु की जाने वाली सारी साधना, जीवन का परम लक्ष्य और ध्येय है।

भारत पर हमले के लिए तुर्की ने पाकिस्तान भेजा खेबर युद्ध पोत ? भारत की चिंता बढ़ी

(अभिनय आकाश)

तुर्की ने बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ हाथ मिला लिया है भारत को टारगेट करने के लिए। हाल ही के दिनों में दिगी ब्लास्ट में भी तुर्की का नाम सामने आया था। मगर अब खबरें सामने आई हैं कि तुर्की ने पाकिस्तान के वर्षों पुराने सपने को पूरा कर दिया है।

तुर्की अपना एमआईएल जीईएमपीएनएस खेबर युद्ध पोत अचानक पाकिस्तान को सौंप रहा है। भारत ने तुर्की की उसकी सबसे खराब समय में मदद की और आज की तारीख में वही देश भारत के खिलाफ मैदान में उतर आया है और लगातार भारत के दुश्मन देश पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है और पाकिस्तान को हथियारों की मदद कर रहा है जिससे वह भारत के साथ जंगलड़ सके और भारत को बर्बाद कर सके। दरअसल तुर्की ने बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ हाथ मिला लिया है भारत को टारगेट करने के लिए। हाल ही के दिनों में दिगी ब्लास्ट में भी तुर्की का नाम सामने आया था। मगर अब खबरें सामने आई हैं कि तुर्की ने पाकिस्तान के वर्षों पुराने सपने को पूरा कर दिया है।

रिपोर्ट्स में कहा गया कि पीएनएमआईएलजीईएम प्रोजेक्ट के तहत तुर्की में पाकिस्तानी नौसेना के लिए बने युद्धपोथ के सफलतापूर्वक लाइव फायर टेस्ट पूरे कर लिए गए हैं। दावा किया गया है कि इस लाइव फायरिंगटेस्ट में उ%च स्तर की तकनीकी क्षमता, सिस्टम इंटीग्रेशन, ऑपरेशनल विश्वसनीयता पर प्रदर्शन हुआ है। एजेंसी ने बताया कि इस यूथपोथ को पाकिस्तान के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। पीएनएमआईएलजीईएम प्रोजेक्ट के तहत तुर्की पाकिस्तान के लिए चार यूथपोत बना रहा है। जिनमें से दूसरे युद्धपोत पीएनएस खेबर ने हालिया परीक्षणों के दौरान समुद्र से जमीन पर हवा और दोनों ही लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत चार मिलगेम श्रेणी के जहाजों के निर्माण के लिए 2018 में तुर्की के साथ एक समझौता किया था। समझौते के अनुसार, दो जहाजों का निर्माण तुर्की में होना था, जबकि शेष दो का निर्माण पाकिस्तान में हो रहा है। एर्दोगन ने इस जहाज की सराहना करते हुए इसे तुर्की के लिए गर्व का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को दो युद्धपोत सौंपने का काम पूरा हो गया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, सितंबर 2018 में हमने पाकिस्तानी नौसेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4 मिलगेम जहाजों के निर्माण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। हमने पहला जहाज, पीएनएस बाबर, 24 मई 2024 को पाकिस्तान को सौंप दिया। आज, हमने पीएनएस हेबर की डिलीवरी भी पूरी कर ली है, जिसने सभी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

तुर्की-रूस संबंध : तुर्की, पाकिस्तान का एक प्रमुख सहयोगी देश है, जिसके साथ आर्थिक, सैन्य और तकनीकी क्षेत्रों में सहयोगहै। युद्धपोतों के अलावा, पाकिस्तान ने तुर्की से 30 अटैक हमलावर हेलीकॉप्टरों का ऑर्डर दिया है। जम्मू और कश्मीर के मुद्दे पर एर्दोगन लगातार पाकिस्तान के रुख का समर्थन करते रहे हैं और पाकिस्तान द्वारा इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा करने के बावजूद इस्लामाबाद का साथ देते रहे हैं। 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद और भारत द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी अंकारा ने पाकिस्तान को समर्थन दिया है।

'ज्ञानपीठ' का महाप्रयाण हो जाना

प्रो. मनोज कुमार

आखिरकार 'ज्ञानपीठ' विनोद कुमार शुक्ल जीवन संघर्ष में पराजित होकर अलविदा कह दिया. उनका जाना नियति की स्वीकृति हो सकती है लेकिन समाज और साहित्य को यह बिलकुल भी गंवारा नहीं था. उनकी एक-एक धडक़न समाज के लिए धरोहर थी. कहते हैं सरल होना कठिन नहीं है लेकिन सरल बने रहना कठिन है. विनोदजी ने सरल बने रहना को सच कर दिखाया था. अविभाजित मध्यप्रदेश के एक कस्बानुमा शहर में पढ़ाते हुए वे रचना किया करते थे. उनके जानने वाले जानते थे कि विनोदजी किस मिट्टी के बने हुए हैं. बेहद सरल और सहज. अपनों से छोटे हों, हमउम्र हों या उम्रदराज, उनके पास जाकर किसी ने खुद को छोटा नहीं पाया. यह बहुत कम होता है कि किसी को श्रेष्ठ सम्मान से नवाजा जाए तो पूरा समाज स्वयं को सम्मानित महसूस करता है. विनोदजी को जब 'ज्ञानपीठ' मिलने का ऐलान हुआ तो यह भी उन अपवाद वाले पल-छीन में था. रायपुर से दिल्ली तक स्वागत और उत्साह का माहौल था. 'वह आदमी नया गरम कोट पहनकर चला गया विचार की तरह' अपनी इस पहली कविता संगह से वे चर्चा में आ गए. यह प्रयोगधर्मी शीर्षक को पढक़र सुनकर साहित्य प्रेमी चौंक गए थे. तब उस दौर में ऐसा प्रयोग ना के बराबर था. वे इस बात के कभी हामी नहीं रहे कि कविता को नारे की तरह गढ़ा जाए. उनकी रचनाओं में लोक की छाप दिखती है तो आधुनिक समाज में हो रहे परिवर्तन, आकांक्षाओं के साथ उनकी संवेदनशीलता झलकती है. सही मायने में देखा जाए तो उनका लेखन सुपतिष्ठित कवि भवानी प्रसाद मिश्र की बातों को आगे बढ़ाते हुआ दिखता है जिसमें भवानी भाई कहते हैं- जिस तरह हम बोलते हैं, उस तरह तू लिख, और इसके बाद भी हमसे बड़ा तू दिख.

विनोद कुमार शुक्ल छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर के थे लेकिन उनकी कविताएं और कथा संसार सारी भौगोलिक सीमा को लांघ जाती है. ज्ञानपीठ सम्मान का ऐलान हो जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा कि 'मेरे पास में शब्द नहीं हैं कहने के लिए, क्योंकि बहुत मीठा लगा कहूंगा, तो मैं शुगर का पेशेंट हूं. मैं इसको कैसे कह दूं कि बहुत मीठा लगा. बस अच्छा लग रहा है.'. यह सादगी उन्हें और बड़ा बनाती है.

एक जनवरी, 1937 में विनोद कुमार शुक्ल का जन्म साहित्य से रचे-बसे शहर राजनांदगांव में हुआ. वे अध्यापक रहे और पूरा समय साहित्य को समर्पित कर दिया था. उम्र के 88वें पड़ाव पर खड़े विनोद कुमार शुक्ल वैसे ही सहज और सरल रहे जैसा कि छत्तीसगढ़ का एक व्यक्ति होता है. वे ज्ञानपीठ सम्मान को केवल सम्मान नहीं मानते हैं बल्कि अपनी जवाबदारी के रूप में देखते थे. बकौल विनोद कुमार शुक्ल 'मुझे लिखना बहुत था, बहुत कम लिख पाया. मैंने देखा बहुत, सुना भी मैंने बहुत, महसूस भी किया बहुत, लेकिन लिखने में थोड़ा ही लिखा. कितना कुछ लिखना बाकी है, जब सोचता हूं, तो लगता है बहुत बाकी है. इस बचे हुए को मैं लिख लेना चाहता हूं. अपने बचे होने तक मैं अपने बचे लेखक को शायद लिख नहीं पाऊंगा, तो मैं क्या करूं? मैं बड़ी दुविधा में रहता हूं. मैं अपनी जिंदगी का पीछा अपने लेखन से करना चाहता हूं. लेकिन मेरी जिंदगी कम होने के रास्ते पर तेजी से बढ़ती है और मैं लेखन को उतनी तेजी से बढ़ा नहीं पाता, तो कुछ अफसोस भी है'. ऐसे थे विनोद जी.

विनोद जी के उपन्यास 'नौकर की कमीज' पर सुपरिचित फिल्मकार मणि कौल फिल्म भी बना चुके हैं. उनकी कहानियाँ 'आदमी की औरत' एवं 'पेड़ पर कमरा' पर राष्ट्रीय फिल्म इंस्टीट्यूट, पूना द्वारा अमित दत्ता के निर्देशन में निर्मित फिल्म को वेनिस अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह 2009 में 'स्पेशल मेनशन अवार्ड' मिला. उनके उपन्यास 'दीवार में एक खिडक़ी रहती थी' पर प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक मोहन महर्षि सहित अन्य रचनाओं पर निर्देशकों द्वारा नाट्य मंचन भी हो चुका है.

ज्ञानपीठ के पहले उन्हें मध्यपदेश शासन का गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप, मध्यप्रदेश कला परिषद का रज़ा पुरस्कार, मध्यपदेश शासन का शिखर सम्मान, राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, मोदी फाउंडेशन का दयावती मोदी कवि शेखर सम्मान, भारत सरकार का साहित्य अकादमी सम्मान, उत्तरपदेश हिन्दी संस्थान का हिन्दी गौरव सम्मान, अंग्रेजी कहानी संग्रह के लिए मातृभूमि सम्मान के साथ ही साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सर्वोच्च सम्मान 'महत्तर सदस्य' मनोनीत किया गया था.

विशिष्ट भाषिक बनावट, संवेदनात्मक गहराई, उत्कृष्ट सृजनशीलता से उन्होंने भारतीय भाषा साहित्य को समृद्ध किया है. इसलिए कहते हैं कि विनोद कुमार शुक्ल हो जाना आसां नहीं है. तभी तो 59वें ज्ञानपीठ सम्मान के लिए चयनित हो जाने की सूचना के बाद हिंदी के वरिष्ठ कवि-चिंतक अशोक वाजपेयी का कहते हैं कि 'यह सम्मान एक ऐसे व्यक्ति को दिया गया है, जिसने अपनी रचनाधर्मिता को निपट साधारण और नायकत्व से निरपेक्ष व्यक्ति को समर्पित किया है'. वे समाज के नब्ज को जानते हैं और उन पर भी उनका दखल है.

विनोद कुमार शुक्ल की कविता संगह लगभग जयहिंद वर्ष, 1971, वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहिनकर विचार की तरह, वर्ष 1981, सब कुछ होना बचा रहेगा, वर्ष, 1992, अतिरिक्त नहीं, वर्ष 2000, कविता से लंबी कविता, वर्ष 2001, आकाश धरती को खटखटाता है, वर्ष 2006, पचास कविताएँ, वर्ष 2011, कभी के बाद अभी, वर्ष 2012, कवि ने कहा -चुनी हुई कविताएँ, वर्ष 2012, प्रतिनिधि कविताएँ, वर्ष 2013 में पकाशित हुई. उपन्यास संग्रह नौकर की कमीज़, वर्ष 1979, खिलेगा तो देखेंगे, वर्ष 1996, दीवार में एक खिडक़ी रहती थी, वर्ष 1997, हरी घास की छप्पर वाली झोपड़ी और बौना पहाड़, वर्ष 2011, यासि रासा त, वर्ष 2017, एक चुप्पी जगह, वर्ष 2018 है. कहानी संग्रह में पेड़ पर कमरा, वर्ष 1988, महाविद्यालय, वर्ष 1996, एक कहानी, वर्ष 2021, घोड़ा और अन्य कहानियाँ, वर्ष 2021 के साथ कहानी/कविता पर पुस्तक 'गोदाम', वर्ष 2020, 'गमले में जंगल', वर्ष 2021 हैं. विनोद कुमार शुक्ल की अनेक कृतियों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद भी हुआ है. साहित्य, संस्कृति एवं मनुष्यत्व के 'ज्ञानपीठ' विनोद जी के चले जाने से उनके पीछे जो रिक्तता आयी है, उसे भरा पाना लगभग कठिन सा होगा.

(वरिष्ठ पत्रकार एवं शोध पत्रिका 'समागम' के संपादक हैं)

गेर्रा उपार्जन केंद्र का सरला कोसरिया ने किया औचक निरीक्षण

सरायपाली। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत धान खरीदी केंद्र गेर्रा-टेमरी में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए वहां उपस्थित किसान भाइयों से सीधे संवाद किया गया और उनकी समस्याओं व सुझावों को सुना गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों से धान खरीदी की प्रक्रिया, तौल, भुगतान व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थागत पहलुओं की जानकारी भी ली गई। निरीक्षण के समय छग महिला आयोग के सदस्य सरला कोसरिया,नोडल अधिकारी के.एल. पैकरा, केंद्र व्यवस्थापक युधिष्ठिर बरिहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष बलौदा नीलाम्बर तांडी, प्राथमिक सहकारी समिति गेर्रा-टेमरी के अमृतलाल साहू, सुभाष साहू, धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर, बेलमुंडी के सरपंच महेश पटेल तथा कोटवार विश्वनाथ सोना सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कर्मचारी उपस्थित रहे। किसानों से चर्चा के दौरान उनकी उपज की तौल, पंजीयन, टोकन व्यवस्था एवं परिवहन से जुड़ी स्थिति पर जानकारी ली गई। निरीक्षण दल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धान विक्रय के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी प्रक्रियाएं शासन के निर्देशानुसार पारदर्शी ढंग से पूरी की जाएं। खरीदी केंद्र में साफ-सफाई, छाया, पेयजल और बैठने की उचित व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को समयबद्ध कार्य निष्पादन, किसानों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किसानों ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कुछ सुझाव भी रखे, जिन्हें शीघ्र अमल में लाने का आश्वासन दिया गया। औचक निरीक्षण से खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिलने की बात कही गई, ताकि क्षेत्र के किसान बिना किसी परेशानी के अपनी उपज का विक्रय कर सकें।

बस्तर एक शांति प्रिय क्षेत्र है जहां सभी वर्गों का सम्मान, सभी समाजों का सम्मान किया जाता है जो बस्तर का मूल स्वरुप है : संजय सोढ़ी

सुकमा। सामाजिक कार्यकर्ता संजय सोढ़ी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि बस्तर के आदिवासियों के लिए बड़ी मुश्किलों का दौर चल रहा है, एक ओर सरकार नक्सल मुक्त बस्तर की ओर अग्रेषित है वहीं दूसरी ओर राजनितिक लाभ के लिए सामाजिक भेदभाव, वर्गीकरण, धर्मान्तरण जैसे मामलो को बढ़वा देने का प्रयास राजनैतिक दलों के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से बड़े जोर शोर से किया जा रहा है, जो बस्तर के लिए बड़ी दुर्भाग्य की बात है, बस्तर मे भेदभाव नकारात्मक विचारों के लिए कोई स्थान नहीं है, बस्तर के मूल स्वभाव को बदलने का प्रयास सचेत रहने की आवश्कता। सोढ़ी ने कहा बस्तरिया राज मोर्चा के सयोजक का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमे कुछ समाजो को टारगेट कर बस्तर का वातावरण दूषित करने का प्रयास किया जा रहा है युवाओं को भड़काना व उकसाने जैसे गतिविधियों से जनप्रतिनिधियों को बचना चाहिए, हाल ही मे कांकेर की घटना, पडोसी राज्य ओड़िसा की घटना का वातावरण शांत हुआ नहीं इस बीच ऐसे भड़काऊ भाषण छोटी चिंगारी मे हवा देने जैसा है, कोई व्यक्तिविशेष अपराधी है या अपराध करता है तो उस व्यक्ति के ऊपर आरोप लगे ना की सभी समाज को कटघरे मे खड़ा करे, सामाजिक धार्मिक टिप्पणी से बचे स्थानीय जनप्रतिनिधि संजय सोड़ी ने समाज को ध्यान आकर्षित करते हुए कहा बस्तर के आदिवासी समाज, मुलवासी समाज को ऐसे भ्रमित व भड़काऊ भाषण पर आपत्ति दर्ज़ करना चाहिए, क्यूंकि उस कार्यक्रम मे बस्तर के मूल समाजो के नाम व संभागीय अध्यक्षो का नाम का जिक्र व समर्थन की बात की गई और वही दूसरी ओर अन्य समाजो के व्यक्तियों को भागने व बाहरी शब्दों का प्रयोग किया गया, ऐसे शब्द युवाओं मे सामाजिक भेदभाव, सामाजिक विभाजन के लिए प्रेरित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण को ध्यान मे रखते हुए सोड़ी ने कहा हर व्यक्ति को विशेष अधिकार किसी भी राजनितिक दल का विचारों का समर्थन करना व स्वयं का निजी विवेक होता है, सामाजिक पद की गरिमा को देखते हुए राजनीतिक मंच को साझा करते समय सामाजिक और राजनीतिक मंच की गरिमा को बनाए रखे, समाज के पदों का उपयोग राजनीतिक मंच से लिया जा रहा है जो समाज के हित मे नहीं है, समाज को गुमराह व भ्रमित होने से बचाए, समाज के अध्यक्षो का नाम का उपयोग व सहयोग सामाजिक कार्यो मे हो ना की राजनीती दलों की इस पर सर्व समाज को ध्यान आकर्षित करने की आवश्कता है। सुकमा जिला के मूल वासियों व युवाओं की आर्थिक परिस्थितियों के लिए हम और स्थानीय जनप्रतिनिधि जिम्मेदार है इसमें अन्य समाजो को दोष देना गलत है।

आईपीएल की तर्ज पर कूकानार में केबीएल बैडमिंटन टूर्नामेंट का हुआ भव्य आगाज

सुकमा/कुकानार। सुकमा जिले में खेल इतिहास का नया अध्याय जुड़ गया है। पहली बार आईपीएल क्रिकेट की तर्ज पर केबीएल बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन कूकानार में किया जा रहा है, जिसने खिलाड़ियों से लेकर दर्शकों तक में जबरदस्त उत्साह भर दिया है। इस अनूठे और नवाचारपूर्ण आयोजन की मुख्य अतिथि रहीं छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी, जिन्होंने टॉस कराकर टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। इस टूर्नामेंट की सबसे खास और चर्चित बात यह रही कि आयोग सदस्य दीपिका शोरी ने कूकानार टीम के खिलाड़ियों को नीलामी के माध्यम से चुनते हुए स्वयं टीम की मालकिन के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाई। उनका यह कदम खिलाड़ियों के मनोबल को नई ऊँचाइयों तक ले गया और आयोजन को अलग पहचान दिलाई। आयोग सदस्य शोरी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल में इस स्तर का आयोजन अपने आप में मिसाल है। ऐसे प्रयासों से ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिलता है और खेल संस्कृति को मजबूती मिलती है। आयोजकों ने जो पहल की है, वह प्रशंसनीय है। भविष्य में इस आयोजन को और बेहतर बनाने के लिए जो भी सहयोग संभव होगा, हम अवश्य करेंगे। टूर्नामेंट में बस्तर संभाग के प्रमुख क्षेत्रों से 60 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता दो दिनों तक चलेगी, जिसमें ग्रामीण खिलाड़ियों को भी समान अवसर दिया गया है। इससे आने वाले समय में ग्रामीण स्तर पर बैडमिंटन को एक नई पहचान मिलने की उम्मीद है। प्रतियोगिता को और भव्य बनाने में जिले के गणमान्यजनों का भी योगदान रहा। सुकमा के प्रतिष्ठित अधिवक्ता कैलाश जैन ने द्वितीय पुरस्कार राशि तथा रामराजा मनोज देव ने प्रथम पुरस्कार राशि प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। दीपिका शोरी ने आयोजको के उत्साह को देखते हुए यह भी कहा कि केबीएल बैडमिंटन टूर्नामेंट न सिर्फ एक खेल आयोजन, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए उम्मीद और पहचान का मंच बनकर उभरा।

दूरस्थ वनांचल ग्राम पूवर्ती में कलेक्टर अमित कुमार का जनसंवाद

पूवर्ती में विकास कार्यों सहित ग्रामीण आजीविका को मिलेगा बढ़ावा

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार ने दूरस्थ क्षेत्र ग्राम पूवर्ती का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से आधार कार्ड अनिवार्य रूप से बनवाने कहा कि ताकि आधार के माध्यम से शासन की अधिकांश योजनाओं का लाभ आप सभी हितग्राहियों को मिल पाए। उन्होंने ग्रामीणों को जानकारी दी कि ग्राम में पट्टा बनाने, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। कलेक्टर अमित कुमार ने ग्राम पूवर्ती में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मध्यम कुपोषित बच्चे को एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) में भर्ती कर समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी के माध्यम से बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को समय पर पोषण आहार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। ग्रामीणों से योजनाओं पर संवाद, आजीविका संवर्धन के निर्देश- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कुमार ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने हेतु गाय एवं बकरी शेड निर्माण के प्रकरण स्वीकृत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रदान करने, श्रम पंजीयन हेतु ग्राम में विशेष शिविर आयोजित करने तथा एनआरएलएम के माध्यम से आजीविका गतिविधियों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम पूवर्ती में विद्युत व्यवस्था एवं नलकूप सुविधा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा - कलेक्टर कुमार ने स्वास्थ्य स्टाफ से दूरस्थ क्षेत्रों में चल रहे मलेरिया जांच अभियान की जानकारी ली। उन्होंने मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने एवं संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही हेल्थ सेंटर एवं पंचायत भवन के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हांकन करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

पीडीएस भवन एवं राशन भंडारण व्यवस्था का निरीक्षण - ग्राम पूवर्ती स्थित पीडीएस भवन का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने राशन भंडारण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम में यदि कोई दिव्यांगजन पात्र है, तो उसे निशक्तजन राशन कार्ड के अंतर्गत नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

बस्तर रेंज के लिए 2025 सुरक्षा, शांति, और विकास के मोर्चे पर उपलब्धियों भरा रहा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर रेंज के लिए वर्ष 2025 सुरक्षा, शांति, सेवा, न्याय और विकास के मोर्चे पर ऐतिहासिक और निर्णायक उपलब्धियों से भरा रहा। सटीक और समयबद्ध खुफिया सूचनाओं पर आधारित माओवादी विरोधी अभियानों, प्रभावी क्षेत्र नियंत्रण और विभिन्न सुरक्षा बलों के बीच मजबूत समन्वय के चलते नक्सली गतिविधियों पर निर्णायक नियंत्रण स्थापित किया गया। वर्ष भर चले अभियानों में माओवादी शीर्ष नेतृत्व को भारी क्षति पहुंची, बड़ी मात्रा में हथियारों की बरामदगी हुई और कई माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण कर पुनर्वास की राह अपनाई, जिससे क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव पड़ी। बस्तर रेंज कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक सुरक्षा वातावरण के सुदृढ़ होने का प्रत्यक्ष असर बस्तर रेंज के समग्र विकास और जनकल्याण पर देखने को मिला। वर्ष 2025 में सड़कों, संचार, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ, वहीं दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की गई। पुलिस-जन साझेदारी, संवाद और विश्वास पर आधारित समग्र दृष्टिकोण ने सामाजिक समरसता को सुदृढ़ किया, जिससे बस्तर भय और असुरक्षा के माहौल से बाहर निकलकर विश्वास और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ा। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने कहा कि वर्ष 2025 में प्राप्त निर्णायक उपलब्धियों की ठोस नींव पर आगे बढ़ते हुए वर्ष 2026 के लिए स्पष्ट संकल्प लिया गया है। आने वाले वर्ष में शेष माओवादी नेटवर्क का पूर्ण उन्मूलन, क्षेत्र में स्थायी शांति और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सटीक रणनीति और सतत प्रयास जारी रहेंगे।

अजमेर शरीफ दरगाह में हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती (रह.) का 814वां उर्स मुबारक हर्षोल्लासपूर्वक मनाया

रायपुर। अजमेर शरीफ दरगाह में हज़रत ख्वाजा मोइनुददीन हसन चिश्ती (रह.) का 814वां उर्स मुबारक हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर दरगाह और आसपास के इलाकों में सूफियाना कलाम की गूंज सुनाई दे रही है। देश और विदेश से आने वाले हजारों जायरीन प्रतिदिन मखमली चादर पेश कर ख्वाजा गरीब नवाज़ की दरगाह पर अपनी श्रद्धा अर्पित कर रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. सलीम राज ने आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से दरगाह शरीफ में विशेष चादर पेश की। मुख्यमंत्री साय ने अपने प्रतिनिधि के रूप में डॉ. राज को मुख्यमंत्री निवास में यह चादर सौंपी थी। चादरपोशी के दौरान डॉ. राज ने छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की खुशहाली, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। डॉ. सलीम राज ने इस अवसर पर कहा कि अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर पेश करना एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा है। इसे श्रद्धा, सम्मान और मन्नत का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने बताया कि यह रस्म सूफी परंपरा का हिस्सा है और इसका उददेश्य हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (रह.) के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करना होता है। उर्स के दौरान दरगाह पर विशेष चादर चढ़ाई जाती है, जो इस आयोजन का मुख्य हिस्सा होता है। इसे प्रेम और सम्मान की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है और इसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं। अजमेर शरीफ का उर्स केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है।

नेवरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अलग-अलग दो मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

तिल्दा नेवरा। नेवरा थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी के निर्देश पर नेवरा पुलिस ने अलग-अलग पेट्रोलिंग टीम गठित कर शांति भंग करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही लगातार की जा रही है इसी परिपेक्ष में शांति भंग करने वाले आरोपी संजय बंजारे पिता भागवत दास बंजारे 42 वर्ष ग्राम नकटी खपरी निवासी एवं ऋषि वर्मा पिता अशोक वर्मा उम्र 21 वर्ष बिरगांव रायपुर निवासी को गिरफ्तार कर धारा 170 बीएनएस के तहत एसडीएम कार्यालय पेश किया गया जहां से दोनों को जेल भेजा गया है। वहीं अपनी पत्नी से मारपीट करने वाले आरोपी को भी नेवरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है, तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रार्थी दुकलहा निषाद ने नेवरा थाना में शिकायत दर्ज कर बताया कि उसकी बेटी की शादी सामाजिक रीति रिवाज के साथ हुई है प्रार्थी का दामन पंकज निषाद शराबी किस्म का व्यक्ति है, और शुक्रवार को चरित्र शंका को लेकर प्रार्थी की बेटी को गाली गलौज कर लकड़ी के बत्ता से मारपीट किया, प्रार्थी अपनी बेटी को सरकारी अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया है, नेवरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 296, 115(2), 351(2), 115(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी पंकज कुमार निषाद पिता चम्मन लाल निषाद 30 वर्ष ग्राम पेंड्री थाना सुहेला निवासी को गिरफ्तार कर रिमांड पर न्यायालय पेश किया। आज शनिवार पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों को अलग-अलग गिरफ्तार कर शुक्रवार देर शाम उक्त कार्यवाही की गई है।

शांतिदूत साहित्य सम्मान से विभूषित हुए साहित्यकार डॉ. जीवनदु

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सुप्रसिद्ध कवि, प्रख्यात साहित्यसेवी एवं लाल जगदलपुरी राज्य अलंकरण से सम्मानित साहित्यकार डॉ.जीवन यदु को सेवाभावी संस्था शांतिदूत द्वारा उनके 15वें स्थापना वर्ष के अवसर पर शांतिदूत साहित्य सेवा सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा उनके निज निवास पर पहुंचकर ससम्मान प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि 79 वर्षीय डॉ.जीवन यदु को अभिनंदन पत्र के साथ शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संयोजक अनुराग शांति तुरे ने समारोह का संचालन करते हुए डॉ.यदु के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सारगर्भित परिचय प्रस्तुत किया तथा अभिनंदन पत्र का वाचन किया। उपस्थितजनों ने डॉ.यदु के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उनके दीर्घ साहित्यिक योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। ज्ञात हो कि हिंदी साहित्य जगत में प्रगतिशील साहित्यकार के रूप में प्रतिष्ठित डॉ.जीवन यदु ने हिंदी, उर्दू एवं छत्तीसगढ़ी भाषा में अपनी सशक्त लेखनी के माध्यम से साहित्य को समृद्ध करने के साथ-साथ लोकहित, सामाजिक चेतना, जन-साक्षरता एवं राष्ट्रप्रेम को जन-जन तक पहुंचाने का महती कार्य किया है। उनकी रचनाएं खास तौर पर जन-साक्षरता पर लिखे गए गीत कश्मीर से कन्याकुमारी तक जनमानस में लोकप्रिय हैं जो उनकी सृजनशीलता एवं व्यापक जनस्वीकृति का प्रमाण हैं। राष्ट्र प्रथम एवं देश हित सर्वोपरि की भावना उनकी रचनाधर्मिता का मूल आधार रही है। सम्मान समारोह में समाजसेवी एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष अब्दुल रज्जाक खान, नगर पालिका के सभापति एवं पार्षद रूपेंद्र रजक, नागरिक एकता मंच के संयोजक उत्तम बागड़े, सेवाभावी संस्थाओं से जुड़े स्वयंसेवी समसुल होदा खान, युवा साहित्यकार संकल्प यदु, पत्रकार किशोर सोनी एवं सुभाष चावड़ा, शांतिदूत के सहसंयोजक याहिया नियाज़ी, उत्तर प्रदेश से पधारे जनाब खान, समकालीन कलाकार एवं शिक्षक किशोर शर्मा, महिला समाजसेवी वंदना टांडेकर, नीलम राजपूत, शिक्षिका डॉ.मेधावनी तुरे, समाजसेवी अमीन मेमन, आकाश तिवारी, ज़हीन खान, शिक्षक कोसरे, श्रीयांशी, गीतव्य, रूशील, दक्ष सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने एक स्वर में डॉ.जीवन यदु को छत्तीसगढ़ की माटी का गौरव बताते हुए कहा कि उनका साहित्य आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर है।

शासकीय गोवलकर विद्यालय में हुआ वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन

खैरागढ़। शासकीय माधवराव सदाशिव गोलवलकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन विगत दिनों किया गया। क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ शाला विकास समिति के अध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल के द्वारा शाला विकास समिति के सदस्य तथा स्कूल के स्टाफ की उपस्थिति में किया गया । प्राचार्य सहदेव प्रधान द्वारा छात्र छात्राओं को उद्बोधन में खेल तथा उसके महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये तत्पश्चात विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 100 मीटर दौड़ में प्रथम संगीता बारी द्वितीय बिंदिया प्रधान 200 मीटर दौड़ में प्रथम आरती द्वितीय संगीता बारी ऊंची कूद में प्रथम नम्रता बाघ द्वितीय रेखा ओगरे लंबी कूद में प्रथम नम्रता बाघ द्वितीय बिंदिया प्रधान कैरम प्रतियोगिता में प्रथम धांसू अग्रवाल एवं मोनिका पटेल द्वितीय अंजना कुजूर एवं रोशनी गोला फेक में प्रथम बिंदिया प्रधान द्वितीय प्रतिमा मुंडा वाला भाला फेंक में प्रथम रोशनी बिश्रा द्वितीय सरोजिनी , लंगड़ी दौड़ में प्रथम यामिनी रात्रे एवं जयंती रात्रें द्वितीय भारती सालमा एवं निक्की नाग बैडमिंटन में प्रथम एलोरा तांडी एवं आशा पटेल एवं द्वितीय धांसू अग्रवाल एवं मोनिका पटेल कुर्सी दौड़ बालिका वर्ग में प्रथम पंकजनी नाग एवं द्वितीय अदिति ओगरे फुगड़ी प्रतियोगिता में प्रथम एलोरा तांडी द्वितीय भारती सलमा इस प्रकार बालिका वर्ग एवं बालक वर्ग को 4 दलों में विभाजित कर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालिका वर्ग के सामूहिक खेल में कबड्डी में प्रथम मधुराम दल से तनु पटेल नैना खूंटे जयंती रात्रें टिकेश्वरी पटेल यामिनी रात्रे किरण चौहान एवं नम्रता बाघ तथा द्वितीय सत्यम दल से एलोरा तांडी पम्मीरानी चौहान प्रतिभा मुंडा दुर्गा कुजूर आरती यादव टिकेश्वरी सोनवानी तथा हेमलता विजयी रहे । इसी प्रकार खो खो में प्रथम मधुरम दल एवं द्वितीय सत्यम दल रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में प्रथम मधुरम दल एवं द्वितीय सत्यम दल रहे ।बालक वर्ग में भी विभिन्न खेलों में प्रतियोगिता हुई जिसमें 100 दौड़ में प्रथम किशन एवं द्वितीय लोकेश पटेल, 200 मीटर दौड़ में प्रथम धर्मेंद्र वर्गे द्वितीय भुनेश मुंडा ऊंची कूद में प्रथम गुणसागर कलेत एवं द्वितीय अनिकेत सिंह, लंबी कूद में प्रथम किरण कुमार तथा द्वितीय पंकज चौहान भाला फेंक में प्रथम चंदन स्वाई एवं द्वितीय समीर नायक लंगड़ी दौड़ में प्रथम किरण कुमार एवं धर्मेंद्र वर्गे द्वितीय गुणसागर कलेत एवं लोकेश पटेल , गोला फेंक में प्रथम राजेंद्र चौहान द्वितीय चंदन, चेस में प्रथम ओबेद तांडी , द्वितीय समीर नायक , कैरम में प्रथम ओबेद तांडी एवं गीतेश भोई द्वितीय भोजराज अग्रवाल एवं गुणसागर, कुर्सी दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम रोशन एवं द्वितीय देवेश साव बैडमिंटन में प्रथम प्रशांत कुमार एवं लोकेश रात्रे द्वितीय छायाकांत एवं हर्ष साहू रहे। सामूहिक क्रीडा प्रदर्शन कबड्डी में प्रथम सुंदरम दल तथा द्वितीय सत्यम दल को खो खो में प्रथम सुंदरम दल तथा द्वितीय शिवम दल, रस्सा कस्सी में प्रथम मधुरम दल तथा द्वितीय सुंदरम दल संखली में प्रथम सुंदरम दल तथा द्वितीय मधुरम दल रहे।

संक्षिप्त समाचार

डोंगरगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन एवं सैलून साइडिंग का सफल शुभारंभ किया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के डोंगरगढ़ स्टेशन पर रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में अतिरिक्त लूप लाइन के साथ सैलून साइडिंग का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। यह कार्य मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर श्री दीपक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया, जिससे संबंधित रेल खंड में ट्रेनों के संचालन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा परिचालन और अधिक सुचारु हो सकेगा। इस कार्य के अंतर्गत कुल 1.6 किलोमीटर नई रेलवे लाइन का निर्माण किया गया है। साथ ही, 11 टर्नआउट एवं 08 डिरेलिंग स्विच स्थापित किए गए हैं। सभी निर्माण एवं तकनीकी कार्य रेलवे द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं गुणवत्ता मानदंडों के अनुरूप पूर्ण किए गए हैं। इस परियोजना के माध्यम से निम्नलिखित नई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं— एक अतिरिक्त लूप लाइन, एक बैलास्ट साइडिंग, तथा एक सैलून साइडिंग। इन नई सुविधाओं के प्रारंभ होने से ट्रेनों का आवागमन अधिक निर्बाध होगा, परिचालन समय में कमी आएगी तथा विशेषकर व्यस्ततम यातायात अवधि में ट्रेनों की समयपालन क्षमता में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त, रखरखाव कार्यों एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सुविधा प्राप्त होगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों एवं माल ढुलाई दोनों के लिए सुरक्षित, भरोसेमंद और उन्नत रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में रेल अवसंरचना के विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ द्वारा आयोजित इंटर-डिविजनल स्टाफस्पोर्ट्स मीट 2025 का सफल समापन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के तत्वावधान में इंटर-डिविजनल स्टाफ स्पोर्ट्स मीट 2025 का आयोजन 20-21 ?दिसंबर तथा 27-28 ?दिसंबर ?2025 को किया गया। इस दो-दिवसीय प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, कैरम, शतरंज, स्विमिंग और बैडमिंटन सहित कुल नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा आयोजित हुई। भागीदारी: तीनों मंडल (बिलासपुर,रायपुर नागपुर, तथा मुख्यालय) के महिला-पुरुष कुल300 कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की। परिणाम: बिलासपुर डिविजन टीम ङ्क 90 अंक के साथ विजेता (चैंपियन) नागपुर डिविजन टीम-48 अंक के साथ उपविजेता (रनिंग ट्राफी) यह मीट कर्मचारियों के बीच टीम-स्पिरिट और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट मंच सिद्ध हुई। खेलसंघ के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल सहित खेलसंघ के पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए बिलासपुर टीम को बधाई दी गई और नागपुर टीम के शानदार प्रयासों की प्रशंसा की गई।

अधिवक्ताओं का वन भ्रमण,वन महोत्सव शिवतराई में संपन्न

अधिवक्ताओं का अत्यधिक उपस्थिती वनांचल के लिए दर्शाता है प्रेम

बिलासपुर। जिला बिलासपुर के अधिवक्तागण एवं तहसील अधिवक्ता संघ बिलासपुर, कोटा, बिल्हा, तखतपुर, रतनपुर, सीपत, मस्तुरी एवं सकरी के महिला एवं पुरुष अधिवक्तागणों का वन भ्रमण, वन महोत्सव का आठवा वर्ष जंगल मितान द्वारा दिनांक 28 दिसंबर को शिवतराई अचानकमार टाइगर रिजर्व में मुख्य अतिथि माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विशिष्ट अतिथि महंत विवेक गिरी गौरकापा धाम, संरक्षक अखिल भारतीय संत समिति छत्तीसगढ़, पूर्व विधान सभा उपाध्यक्ष एवं विधायक तखतपुर धरमजीत सिंह के आतिथ्य में संपन्न हुआ जिसमे छत्तीसगढ़ राज्य अधिवक्ता परिषद् के नवनिर्वाचित सदस्यगण शैलेन्द्र दुबे, प्रभाकर सिंह चंदेल, चन्द्र प्रकाश जांगडे, रुपेश त्रिवेदी, आलोक कुमार गुप्ता, अनील सिंह चौहान, रवि सिंह राजपूत तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पुन: नियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता आशीष शुक्ला, बिलासपुर के सबसे लोकप्रिय विधिक कोचिंग भट्ट करियर शेपर के संचालक पूर्णेन्दू कुमार भट्ट को सम्मानित किया गया।जंगल मितान के संरक्षक अधिवक्ता चंद्रशेखर बाजपेयी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम पिछले 8 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है जिसमे सैंकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष अधिवक्ताओं को प्रकृति के सानिध्य में, आदिवासी परिवारों के रहन सहन को समझने व जानने हेतु वन भ्रमण कराया जाता है जिसमे वन रक्षा, जीव जंतु रक्षा, स्वच्छता एवं पोलिथीन उपयोग पर प्रतिबंध के साथ आदिवासी संस्कृति से रूबरू कराकर छत्तीसगढ़ी संस्कृति के अनुसार छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का तथा आदिवासी बच्चियों का पारंपरिक नृत्य, उत्सवो का आनंद कराया जाता है। इस वर्ष उक्त आयोजन 28 दिसंबर को जंगल मितान शिवतराई में किया गया जिसमे सैंकड़ो की संख्या में मातृशक्ति महिला अधिवक्तागण एवं पुरुष अधिवक्तागण प्रात: 9:00 बजे से उपस्थित होकर छत्तीसगढ़ी व्यंजन अनेको प्रकार की भजिया चटनी, गुलगुला, चावला फरा का आनंद लिए उसके पश्चात वन भ्रमण

हेतु जंगल मितान के प्रशिक्षित गाइड श्री प्रताप सिंह के नेतृत्व में रवाना हुए, घनघोर जंगल के अन्दर जाकर देख समझकर अवगत हुए, लौटने के पश्चात छत्तीसगढ़ी भोजन जिसमे अंगाकर रोटी, चटनी, मुर्रा लड्डू, तिल लड्डू, कैथा, इमली, बिही सहित अन्य अनेको खाद्य वस्तुओ का आनंद लेकर भोजन में भी जिमिकान्दा की सब्जी, पताल का झोझो सहित अन्य छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का आनंद लिया गया । कार्यक्रम में आदिवासी लोकनृत्यो का लगातार प्रदर्शन किया गया उपरोक्त सभी आदिवासी बालिकाओं को अधिवक्ता सुश्री विजय लक्ष्मी शराफ द्वारा 5000/- रुपये नगद एवं प्रत्येक को टिफिन बॉक्स एवं अधिवक्तागण श्रीमती संपा शराफ पाठक, स्नेहलता जायसवाल, कविता आर्या, मीनाक्षी राठौर द्वारा प्रत्येक को ऊनी शाल प्रदान कर सम्मानित किया गया, धनुष संचालन का प्रदर्शन, संतोष खंडेलवाल द्वारा फस्टेड टेंट (अत्यधिक कम समय में लगाकर सम्पूर्ण सुविधा सहित तैयार होने वाला, जिसमे सोने हेतु बेड, बैठक रूम , खाना बनाने का सम्पूर्ण सामान एवं किचन) प्रदर्शित किया गया था अत्याधुनिक टेलिस्कोप लगाकर वन यात्रियो को सौर मंडल का नजारा दिखाया गया । मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार तोखन साहू ने अपने उद्बोदन में कहा कि जंगल में हजार अधिवक्ता की उपस्थिति से यह स्पष्ट है कि अधिवक्ता बहनों एवं भाइयो का प्रकृति के प्रति लगाव है, आदिवासी संस्कृति से लगाव है, वे न्यायविद है उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं से आदिवासियों के संस्कृति की रक्षा एवं उन्हें सुलभ न्याय दिलाने में, आर्थिक रूप से अत्यधिक कमजोर आदिवासियों को न्याय दिलाने में सहयोग करने की अपील कर उक्त आयोजन को शानदार आयोजन कहकर उक्त कार्यक्रम हेतु जंगल मितान संरक्षक आयोजन चन्द्र शेखर बाजपेयी को धन्यवाद देकर उक्त कार्यक्रम के कारण अपना पूर्व दिल्ली दौरा निरस्त कर कार्यक्रम में उपस्थिति होने की जानकारी दी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के रायपुर में कोचिंग टर्मिनल का विस्तार

बिलासपुर। यात्रियों की बढ़ती मांग और भीड़भाड़ को कम करने के लिए प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार किया जा रहा है। इससे रेलवे नेटवर्क उन्नत होगा और देशभर में कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार होगा। श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अंतर-शहरी व लंबी दूरी की यात्रा की तेज़ी से बढ़ती मांग को देखते हुए आने वाले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों की ट्रेन प्रारंभ करने की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करने की आवश्यकता है। इसके लिए मौजूदा रेलवे अवसंरचना को आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं के अनुरूप उन्नत किया जा रहा है, ताकि बेहतर, सुगम और सुरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित की जा सके।वर्तमान टर्मिनलों में अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइनें, पिट लाइनें तथा

पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं का विकास, शहरी क्षेत्रों में नए कोचिंग टर्मिनलों की पहचान एवं निर्माण । कोचिंग रखरखाव के लिए उन्नत मेकैनिकल और मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स तैयार करना।अधिक ट्रेनों के संचालन हेतु ट्रैफिक सुविधा कार्य, सिग्नलिंग उन्नयन एवं मल्टी-ट्रैकिंग कार्य द्वारा सेक्शन क्षमता में वृद्धि । भारतीय रेलवे द्वारा कोचिंग टर्मिनलों के विस्तार की योजना यह योजना उपनगरीय एवं गैर-उपनगरीय दोनों तरह के ट्रैफिक की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है। 48 प्रमुख शहरों के लिए एक व्यापक कार्ययोजना अंतिम चरण में है, जिसमें उन कार्यों को शामिल किया गया है जो प्रस्तावित, प्रगति पर या स्वीकृत हैं, ताकि समयबद्ध तरीके से क्षमता दोगुनी की जा सके। यद्यपि अंतिम लक्ष्य वर्ष 2030 तक निर्धारित है, परंतु क्षमता वृद्धि का प्रभाव आने वाले पाँच वर्षों में क्रमिक रूप से दिखाई देगा, क्योंकि विस्तार कार्य चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुआ

बिलासपुर। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक आज दिनांक 29.12.2025 को संपन्न हुई । बैठक में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) श्री के श्रीनिवास, अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) श्री जमना शंकर मीना एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे ।उक्त बैठक में रेलवे बोर्ड की मानक कार्यसूची के अनुसार पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जुलाई-सितंबर' 2025 तिमाही में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई ।अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री के.श्रीनिवास ने बैठक में प्रदर्शित आंकड़े को

और अधिक बेहतर करने के लिए प्रभावी एवं कारगर कदम उठाने पर विशेष बल दिया । उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य राजभाषा हिंदी को कार्यान्वित करने के साथ-साथ दैनिक कार्यालयीन कार्य में आत्मसात करना भी है ।दिनांक 17.12.2025 को महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में संपन्न क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में प्राप्त निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु समस्त शाखाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए । समिति के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि हिंदी भाषा सरल एवं आसानी से समझे जाने वाली भाषा है । हमें अपने दैनिक कार्यालयीन कार्य में सरल एवं आम बोलचाल के प्रचलित शब्दों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए । उन्होंने समस्त शाखाधिकारी को ई-ऑफिस में हिंदी में नोटिंग, पत्राचार आदि के प्रयोग पर विशेष बल दिया।

धान बेचने के लिए पर्याप्त समय किसान निश्चिंत-शासन की खरीदी व्यवस्था से संतुष्टि

कोरबा। पोड़ी-उपरोड़ा क्षेत्र के किसान सोन साय लगभग चार से पाँच एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं। इस वर्ष वे अब तक केवल दस क्विंटल धान बेच पाए हैं क्योंकि उनके खेतों में अभी भी मिंजाई का काम चल रहा है। उनका कहना है कि धान बेचने को लेकर उन्हें किसी प्रकार की चिंता नहीं है। जैसे ही धान पूरी तरह सूखकर इकट्ठा हो जाएगा, वे उपार्जन केंद्र जाकर बिक्री कर लेंगे। धान की मिंजाई में जुटे किसान मान सिंह और जदुबर सिंह का भी मानना है कि खरीदी अवधि 31 जनवरी तक बढ़ाए जाने से किसानों को पर्याप्त समय मिल गया है। इससे वे बिना किसी तनाव के खेत का काम पूरा कर पा रहे हैं और समय पर उपार्जन केंद्र में धान बेचने में समर्थ होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशा-निर्देशन में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण और कल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। धान उपार्जन केंद्रों में पारदर्शी तरीके से खरीदी सुनिश्चित की जा रही है और मूल किसानों से ही धान खरीदने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को भी स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाएँ की गई हैं। घर बैठे ऑनलाइन टोकन की सुविधा, केंद्रों में बैठने की व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ किसानों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रही हैं। बुजुर्ग किसान जदुबर सिंह बताते हैं कि उपार्जन केंद्रों में व्यवस्था पहले से काफी बेहतर हो चुकी है।

ग्राम नेवसा में महतारी सदन का भूमि पूजन संपन्न

बिलासपुर- बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवसा में महतारी सदन का भूमि पूजन किया गया जिसमें ग्रामीण महिलाओं को बढ़ावा देने एवं सशक्त बनाने के लिए उद्देश्य से ग्राम पंचायत नेवसा में 30 लाख की लागत से बनने वाली महतारी सदन का आज भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुशांत शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष सूर्यवंशी जिला विधायक प्रतिनिधि उमेश गौरहा जिला महामंत्री जनक राम देवांगन , मनोज पटेल विधायक प्रतिनिधि ,नेवसा बेलतरा क्षेत्र के जनपद सदस्य कमला विजय साहू, बसहा जनपद सदस्य रामप्यारी, बेलतरा मंडल अध्यक्ष मणि दास मानिकपुरी, दक्षिण मंडल के मंडल अध्यक्ष मनीष कौशिक , नेवसा सरपंच माधवी उमेश साहू

,महामंत्री ग्रामीण भरत कश्यप, बुद्धेश्वर कश्यप , गंगाप्रसाद साहू , सुनील श्रीवास,सरपंच बसहा,नीलेश्वर राव सरपंच धौरामुडा, प्रमोद पटेल, हिमांशु यादव, पेसी राम जायसवाल, आशीष पटेल, सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष सुनील कश्यप ,बेलतरा सरपंच सुरेश कश्यप, संदीप जायसवाल , संतोष मिश्रा, शैल कश्यप , शकुंतला काछी , रूखमणी साहू , राजेश कश्यप, जनपद सदस्य प्रतिनिधि,के द्वारा भारत माता छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर दीप अगरबत्ती जला करके विधि विधान से पूजा अर्चना कर भूमि पूजन का कार्य शुभारंभ किया गया इस अवसर पर बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा यह पहल हमारे प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान को प्रेरित करता है जो महिलाओं की क्षमता को राष्ट्र निर्माण से जोड़ता है उन्होंने कहा कि महतारी सदन निर्माण ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रशिक्षण आजीविका संवर्धन तथा सामुदायिक कार्यक्रमों को संचालन हेतु एक सुरक्षित और संगठित स्थान उपलब्ध होगा जिसमें माताएं बहने अपनी कार्यों को भली-भांति एक स्थान पर बैठकर सुचारू से कर सकेगी , जिसे छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आभर व्यक्त किया कि हमारे छत्तीसगढ़ की विकास की गति की गंगा बह रही । जिला अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने बताया कि प्रदेश की सरकार महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए तेजी से कार्य कर रही है इस कार्यक्रम के पहला चरण में 34 महतारी सदन का स्वीकृत किए हैं योजना के अनुसार पहले प्रत्येक विकास खंड में और इसके बाद प्रदेश में सभी ग्राम पंचायतो में महतारी सदन का स्थापना की जाएगी उन्होंने भरोसा दिलाया है की महतारी सदन ग्रामीण विकास महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा एक मील की पत्थर साबित होगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में इंजीनियरिंग विभाग की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत इंजीनियरिंग विभाग द्वारा निरंतर उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ अधोसंरचना एवं निर्माण से जुड़े महत्त्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। रेलवे की इंजीनियरिंग टीम के सतत, समर्पित एवं योजनाबद्ध प्रयासों के परिणामस्वरूप मंडल के विभिन्न रेल खंडों में रेल लाइन, पुल, यात्री सुविधाओं, कर्मचारी सुविधाओं, भूमि प्रबंधन तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अनेक उल्लेखनीय कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं। इन कार्यों से न केवल रेल परिचालन की गति एवं लाइन क्षमता में वृद्धि हुई है, बल्कि सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन भी सुनिश्चित हुआ है। अप्रैल 2025 से दिसम्बर 2025 की अवधि के दौरान इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ पूर्ण की गई हैं, जिनसे रेल संरक्षा एवं यात्रियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सारागाँव स्टेशन यार्ड में एलडब्ल्यूआर तकनीक के माध्यम से 16 WCMSC क्रॉसिंग डालकर यार्ड को पूर्णत: जीरो फिश प्लेटेड यार्ड में परिवर्तित किया गया। यार्ड के दोनों छोर पर प्वाइंट एवं क्रॉसिंग जोन को भी एलडब्ल्यूआर से जोड़ा गया, जिससे रखरखाव लागत में कमी, संरक्षा में वृद्धि के साथ ही स्टेशन पर निर्बाध एवं स्मूथ परिचालन संभव हो सका है। बिलासपुर स्टेशन पर यात्री एवं परिचालन सुविधा को बेहतर बनाने हेतु प्लेटफार्म संख्या 6, 7 एवं 8 पर डेड एंड निर्माण कार्य पूरा किया गया । मंडल के विभिन्न सेक्शनों में वर्ष 2025-26 के दौरान अब तक 136 डब्ल्यूसीएमएससी, 81 टीडब्ल्यूएसईजे तथा 206 थिक वेब स्विच

लगाए गए हैं, जिससे गाड़ियों की गति में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ रेल लाइन की मजबूती भी बढ़ी है। इस वर्ष पटरी की गुणवत्ता को बरकरार रखने हेतु योजनाबद्ध तरीके से 83.81 किमी ट्रैकों का ट्रैक रिनुयल कार्य, (TRR) एवं 83.59 किमी ट्रैकों का स्लीपर नवीनीकरण TSR(P) कार्य संपन्न किया गया 7 दिसंबर 2025 तक 05 लेआउट करेक्शन किए गए, जिससे लूप लाइनों एवं क्रॉस-ओवर की गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। BCM मशीन द्वारा 11 टर्नआउट की डीप स्क्रीनिंग की गई। 79.194 किमी सेफ्टी फेंसिंग तथा 168.123 हजार घन मीटर बैलास्ट डालने का कार्य भी पूर्ण हुआ । सेक्शन गति बढ़ाने के दिशा में बेहतर कार्य किया गया इसके तहत इस वर्ष अब तक दर्रीटोला-बैकुंठपुर, अनूपपुर-अमलाई तीसरी लाइन, अमलाई-सिंहपुर तीसरी लाइन, बिजुरी-बोरीडांड अप व डाउन लाइन, बोरीडांड-दर्रीटोला तथा झलवारा-न्यू कटनी अप व डाउन लाइन सेक्शन में महत्वपूर्ण कार्य किए गए 7 इसके फलस्वरूप कुल 101.16 ट्रैक किमी की सेक्शन गति में वृद्धि हुई जहाँ अधिकतम गति 80/90/95 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा की गई। सड़क उपयोगकर्ताओं एवं रेल यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंडल में मानवयुक्त 03 समपार फाटकों को बंद कर उनके स्थान पर 03 रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण किया गया है।

एक-एक हजार हेक्टेयर बढ़ेगा सूर्यमुखी और सरसों का रकबा

कोरबा। जिले में रबी फसल का रकबा 40 हजार 730 हेक्टेयर है। इस बार दलहन के साथ ही तिलहन फसल को बढ़ावा देने प्लानिंग की गई है। इसके साथ सूर्यमुखी की फसल का रकबा ढाई हजार से 3500 हेक्टेयर करने का निर्णय लिया है। मूंगफली का रकबा भी 500 से बढ़कर 1500 हेक्टेयर किया जा रहा है।

किसान रबी में धान के साथ ही गेहूं और रागी की फसल लेते हैं। इस बार गेहूं का लगभग 2452 हेक्टेयर और धान का 515 हेक्टेयर है। इसी तरह मक्का का भी 750 हेक्टेयर में फसल लेने किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। रागी की फसल करतला और पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक में ही होती है। धीरे-धीरे कर इसका रकबा अभी 25 हेक्टेयर किया है, लेकिन सबसे अधिक तिलहन को ही बढ़ावा दिया जा रहा है। अब तक सरसों की सबसे अधिक फसल होती रही है। इस बार भी 2500 हेक्टेयर में किसान फसल ले रहे हैं। मूंगफली का रकबा भी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्राम करतला में सबसे अधिक 178 हेक्टेयर में किसान फसल लेते हैं। सूर्यमुखी को बढ़ावा देने सभी ब्लॉकों में प्रोत्साहित किया जा रहा है। अलसी की फसल का रकबा 900 हेक्टेयर है। कुसुम का 2710 हेक्टेयर में फसल होती है।

घर में हाथी की मूर्ति रखने के फेंगशुई नियम

ज्योतिष विज्ञान और वास्तु शास्त्र में सुखी जीवन, शांति और तरक्की करने के कई उपाय बताए गए हैं। इसी तरह चीनी वास्तु फेंगशुई में भी सुख-समृद्धि पाने के कई तरीके बताए गए हैं। इनमें से एक है हाथी की मूर्ति, जिसे सौभाग्य, धन और सफलता का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि घर में हाथी की मूर्ति सही दिशा और सही स्थान पर रखी जाए, तो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और आर्थिक स्थितियों में सुधार आता है। लोग इसे गुड लक के लिए घर या ऑफिस में स्थापित करते हैं, लेकिन इसे रखते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। चलिए जानते हैं कि हाथी की मूर्ति रखने से क्या लाभ होते हैं।

हाथी की मूर्ति का महत्व

फेंगशुई और वास्तु में हाथी की मूर्ति को मान सम्मान, विजय, दीर्घायु और धन का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में सही दिशा में रखने से पॉजिटिविटी आती है और परिवार के लोगों की तरक्की के अवसर बढ़ते हैं।

मेन गेट पर कैसी मूर्ति रखें

अगर आप मुख्य द्वार पर हाथी की मूर्ति लगाने की सोच रहे हैं, तो हमेशा ऐसी प्रतिमा चुनें, जिसमें हाथी की सूंड ऊपर की ओर हो। इसे विजय, सफलता और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। मुख्य द्वार पर हाथी की जोड़ी रखने से नेगेटिव एनर्जी दूर रहती है।

सही दिशा में रखें हाथी की प्रतिमा

ऐसा कहा जाता है कि घर में हाथी की मूर्ति गलत दिशा में रखने से इसका शुभ फल नहीं मिलता। फेंगशुई के अनुसार, सही दिशा और सही प्रकार की मूर्ति रखने से घर में शांति, सुख और समृद्धि बढ़ती है।

एक हाथी की मूर्ति न रखें

फेंगशुई के अनुसार घर में अकेले हाथी की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। हमेशा हाथियों की जोड़ी को ही घर के अंदर या मुख्य द्वार पर रखा जाता है। इससे सौभाग्य बढ़ता है और व्यक्ति के मान सम्मान में वृद्धि होती है।

बेडरूम में हाथी की मूर्ति के फायदे

शादीशुदा जोड़े के बेडरूम में हाथी की जोड़ी रखना भी बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ता है और रिश्तों में चल रहा तनाव खत्म होता है। यह प्रतिमा एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है और नकारात्मक ऊर्जा को आने से रोकती है।

धन लाभ और इनकम बढ़ाने का उपाय

अगर आप आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो उत्तर दिशा में चांदी के हाथी रखना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यापार में आ रही रुकावटें कम होती हैं और धन के नए अवसर बनते हैं। आप छोटी या बड़ी चांदी की मूर्ति रख सकते हैं। इसे लाल कपड़े में लपेटकर धन रखने की जगह पर भी रखा जा सकता है, जिससे कर्ज से मुक्ति के योग बनते हैं।

मेकअप परफेक्ट होने के साथ अच्छा लिपस्टिक शेड भी जरूरी

मेकअप करने के बाद जब बात लिपस्टिक की आती है, तो शेड्स को लेकर थोड़ा सोचना पड़ता है। किस रंग की लिपस्टिक फेस और ड्रेस के साथ सूट करेगा, ज्यादा बोल्ड या लाइट तो नहीं हो गई। अगर आप भी एथनिक के साथ लिपस्टिक को लेकर कन्फ्यूज रहती हैं, तो कुछ शेड्स को अपनी किट में रख लें। ये लिपस्टिक शेड्स हर तरह के एथनिक कलर्स के साथ अच्छी लगेंगी।

रेड शेड

सदाबहार लिपस्टिक शेड है रेड। लेकिन रेड में कई कलर्स आते हैं जैसे चेरी रेड, टोमैटो रेड, ब्लड रेड। आप इनमें से अपने आउटफिट्स के हिसाब से कलर चुनें। अगर ड्रेस का कलर डार्क है तो बोल्ड रेड चुनें और लाइट होने पर लाइट चेरी रेड लगा सकती हैं।

पिंक शेड

पिंक कलर की लिपस्टिक भी आपको खूबसूरत लुक देगी। पिंक शेड में भी लाइट, बेबी, ब्लॉसम शेड्स आते हैं। आप अपने स्किन टोन और ड्रेस के कलर के हिसाब से इन्हें चुनें। पिंक कलर की लिपस्टिक हर आउटफिट के साथ अच्छी दिखती है।

वाइन शेड

वाइन कलर की लिपस्टिक इन दिनों ट्रेंड में है। वाइन कलर के आउटफिट्स के साथ मैचिंग में ये लगा सकते हैं। इसके अलावा डार्क कलर के ड्रेसेस के साथ भी इस शेड को वियर कर सकती हैं।

मरून शेड

डार्क कलर चुनना है तो मरून कलर की लिपस्टिक भी सुंदर लगेगी। मरून लिपस्टिक शेड हर आउटफिट के साथ सेट होगा और ये चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाता है। मरून शेड काफी पुराना और ट्रेंडी है।

ब्राउन शेड

अगर आप मीडियम कलर की एथनिक ड्रेस कैरी कर रही हैं, तो ब्राउन कलर की लिपस्टिक भी अच्छी लगती है। इस शेड की लिपस्टिक होंठों को नेचुरल लुक देती है। ग्लैम मेकअप के साथ भी आप ये शेड चुन सकती हैं।

तिल और मावा का लड्डू सर्दियों में शरीर को रखता है गर्म

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए अपनी डाइट में तिल का लड्डू ज़रूर शामिल करें। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए ठंड में शरीर को आसानी से गर्माहट मिलती है। साथ ही तिल फाइबर, कैल्शियम, हेल्दी फैट्स, और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं। इन पोषक तत्वों की वजह से पाचन बेहतर होता है, हड्डियां मजबूत होती हैं और वजन भी कंट्रोल होता है। कई पोषक तत्वों से भरपूर तिल का लड्डू सिर्फ सेहत के लिए ही फायदेमंद नहीं है, बल्कि इसका स्वाद भी लाजवाब होता है। तो, चलिए जानते हैं कैसे बनाएं तिल और मावा का स्वाद से भरपूर यह लड्डू?

तिल और मावा का लड्डू बनाने के लिए सामग्री:

दो सौ ग्राम सफेद तिल, ढाई सौ ग्राम मावा, दो कप चीनी का बुरादा , इलायची पाउडर, काजू बादाम के बारीक टुकड़े

तिल और मावा का लड्डू कैसे बनाएं?

- **पहला स्टेप:** तिल और मावा का लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले गैस ऑन करें और उसपर पैन रखें। जब पैन गर्म हो जाए तब उसमें दो सौ ग्राम सफेद तिल डालें और सुनहरा होने तक भून लें। जब तिल भून जाए तब उसे एक बाउल में निकालें और ठंडा होने दें।
- **दूसरा स्टेप:** अब उसी पैन में ढाई सौ ग्राम मावा डालें और उसे अच्छी तरह पिघलने दें ताकि मावा का कच्चापन खत्म हो जाए। जब मावा एकदम स्मूथ हो जाए तब उसे भी दूसरे बर्तन में निकालें
- **तीसरा स्टेप:** जब तिल ठंडा हो जाए तब उसे मिलकर जार में एकदम बारीक पीस लें। एक मुट्ठी तिल बाहर निकाल लें।
- **चौथा स्टेप:** अब एक बड़ी थाली लें और उसमें पीसा हुआ तिल, मावा, दो कप चीनी का बुरादा इलायची पाउडर और काजू बादाम के बारीक टुकड़े डालें। इन सभी सामग्रियों को आपस में अच्छी तरह से मिलाएं।
- **पांचवा स्टेप:** जब सब सामग्री अच्छी तरह से मिल जाए तब, थोड़ा थोड़ा मिश्रण हाथों में लेकर उसे लड्डू का शेप दें। लड्डू बनाने के लिए आप घी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपका सर्दियों का तिल का लड्डू बनकर तैयार है।

ठंड के मौसम में भी दिखें ग्लैमरस ट्राई करें ये फुटवियर

सर्दियों के मौसम में आप भी फैशनेबल लुक पाना चाहती हैं तो आउटफिट के साथ सही फुटवियर को जरूर पहनें। सही फुटवियर से आप लुक को खास बना सकती हैं और पैरों को भी ठंड के मौसम में गर्म रख सकती हैं। आइए जानते हैं इस आर्टिकल में कुछ फुटवियर डिजाइन आइडियाज जिन्हें आप ट्राई कर सकती हैं और सर्दियों में स्टाइलिश लुक आसानी से पा सकती हैं।

कैजुअल शूज को करें ट्राई

आप अगर कॉलेज या बाहर जा रही हैं तो आप कैजुअल शूज को पहन सकती हैं। ये आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखते हैं। आप शूज को जींस, स्कर्ट या ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। आप अलग-अलग रंगों के कैजुअल शूज को चुन सकती हैं।

हील शूज को पहनें

आप किसी फॉर्मल मीटिंग या ऑफिस के लिए हील शूज को पहन सकती हैं। इस फुटवियर को आप जरूर ट्राई करें। इससे आप शानदार और कॉन्फिडेंट लुक पा सकती हैं। आप इस फुटवियर को पैंट और कोट के साथ पहनें। इसके साथ आप मैचिंग बेल्ट और हाथों में ब्रेसलेट या घड़ी पहनकर अपने लुक को खास बना सकती हैं।

बूट्स को करें ट्राई

सर्दियों में आप आकर्षक लुक पाना चाहती हैं तो बूट्स एक अच्छा ऑप्शन है। आप एंकल बूट्स को ट्राई कर सकती हैं। आप इस फुटवियर को जींस के साथ पहन सकती हैं। इसके साथ आप मैचिंग स्वेटर या जैकेट पहनकर अपने लुक को पूरा कर सकती हैं।

लोफर्स को करें ट्राई

आप सर्दियों में लोफर्स को ट्राई कर सकती हैं। आप लोफर्स को जींस या पैंट के साथ पहनें। सर्दियों में आप इस फुटवियर को मोजे के साथ पहन सकती हैं। कॉलेज पहनकर जाने के लिए ये फुटवियर एक अच्छा ऑप्शन है।

कमजोर आंखों के लिए आज से शुरू करें योगासनों का अभ्यास

आज की डिजिटल लाइफस्टाइल में ज्यादातर लोग घंटों तक मोबाइल, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन पर आंखें गड़ाए रहते हैं। ऑफिस वर्क, ऑनलाइन क्लासेस, गेमिंग और ओटीटी की आदतों ने हमारी आंखों पर बहुत गहरा असर डाला है। नतीजतन, बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर उम्र के लोग कमजोर नजर, आंखों में जलन, थकान और ड्राईनेस जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि योगासन की मदद से आप अपनी आंखों की रोशनी को फिर से बेहतर बना सकते हैं? हां, नियमित रूप से कुछ आसान लेकिन प्रभावी योगाभ्यास करने से आंखों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और नेचुरल विज़न में सुधार आता है।

योग क्यों है आंखों के लिए फायदेमंद?

आंखें शरीर का सबसे संवेदनशील और एक्टिव हिस्सा होती हैं। ये 24x7 काम करती हैं, लेकिन हम शायद ही इन्हें आराम देने के लिए कुछ विशेष करते हों। योग न सिर्फ शरीर और मन को रिलैक्स करता है, बल्कि आंखों की थकान को भी दूर करने में मदद करता है। योगासन से आंखों की मांसपेशियों का खिंचाव होता है, उनमें ब्लड फ्लो बेहतर होता है, जिससे आई-स्ट्रेस और आंखों की सूजन कम होती है। विशेष रूप से जब योग को प्राणायाम और मेडिटेशन के साथ किया जाता है, तो मानसिक शांति और फोकस बढ़ता है, जिससे आपकी आंखों की सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है।

त्राटक क्रिया

त्राटक एक ध्यान आधारित योग तकनीक है जिसमें किसी एक बिंदु या दीपक की लौ पर बिना पलक झपकाए देखा जाता है। यह आंखों की मांसपेशियों को मजबूत करता है और दृष्टि को केंद्रित करता है। रोजाना सिर्फ 10 मिनट त्राटक करने से नेत्र शक्ति में आश्चर्यजनक सुधार देखा जा सकता है।

पलमिंग

इस आसान योग क्रिया में हथेलियों को रगड़कर गर्म किया जाता है और फिर बंद आंखों पर रखा जाता है। यह तकनीक आंखों की थकान को तुरंत कम करती है और मानसिक रूप से सुकून देती है। खासतौर से स्क्रीन पर काम करने वाले लोगों को दिन में दो बार यह जरूर करना चाहिए।

नेत्र गति अभ्यास

इस अभ्यास में आंखों को ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं और गोल गोल घुमाया जाता है। इससे आंखों की फ्लेक्सिबिलिटी और ब्लड फ्लो दोनों बढ़ते हैं। साथ ही, ये एक्सरसाइज़ माइंड को शांत करती है और आंखों को बेहतर तरीके से फोकस करना सिखाती है।

जानिए कैसे शुरू हुई रात में शादी की परंपरा

हिंदू विवाह केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र मिलन माना गया है। इस संस्कार का सबसे अहम हिस्सा 'हवन'होता है, जिसके चारों ओर दूल्हा-दुल्हन सात फेरे लेते हैं। हिंदू धर्म में हवन को दिन में करने का विधान है, क्योंकि रात को इसे वर्जित माना गया है। शास्त्रों में हवन को दिन के समय, सूर्योदय के बाद और सूर्यास्त से पहले करने का नियम बताया गया है। लेकिन विरोधाभास यह है कि अधिकतर शादियां रात में ही होती हैं। आखिर क्यों?

ब्रह्म मुहूर्त का महत्व

धर्म के जानकारों के अनुसार, नई पीढ़ी के लिए इस बाद को समझना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन शास्त्रों में ब्रह्म मुहूर्त को सात्विक और शुभ ऊर्जा से भरा बताया गया है। यही कारण है कि प्राचीन काल में विवाह या अन्य संस्कार प्रात: काल या सूर्यास्त के समय संपन्न किए जाते थे।

शास्त्रों में 'रात के हवन' की मनाही क्यों?

धार्मिक ग्रंथों में रात को अंधकार और नकारात्मक ऊर्जा का समय बताया गया है। तंत्र-मंत्र और आसुरी साधनाएं भी इस काल में होती हैं। इस दौरान बुरी शक्तियां बहुत शक्तिशाली हो जाती हैं। इसलिए यज्ञ, हवन अनुष्ठान जैसे शुभ काम दिन के प्रकाश में करना श्रेष्ठ माना गया है, ताकि सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा का लाभ मिल सके। शास्त्र कहते हैं कि रात का समय तांत्रिक और अघोरियों के लिए अपने ईष्ट को प्रसन्न करने का होता है। जबकि, गृहस्थों के लिए ईश्वर से जुड़े किए जाने वाले शुभ काम दिन के समय करने का विधान बताया गया है।

ज्योतिषीय कारण: ध्रुव तारा और चंद्र साक्षी

रात्रि विवाह की एक मान्यता यह भी है कि ध्रुव तारा और चंद्रमा को साक्षी बनाकर विवाह करना शुभ माना गया। दरअसल, सात फेरों के दौरान नवविवाहित जोड़े को सप्तऋषि मंडल और ध्रुव तारा दिखाया जाता है। ध्रुव तारा स्थायित्व का प्रतीक है, इसलिए दंपति को इसका दर्शन कराया जाता है। यह केवल रात में ही दिखाई देता है, इसलिए इसे शादी का प्रत्यक्ष साक्षी बनाने के लिए रात का मुहूर्त निकाला जाने लगा। वहीं, चंद्र और शुक्र की रात में उपस्थिति प्रेम और सौम्यता का संकेत देती है।

मुगलों के समय शुरू हुई रात्रि विवाह परंपरा

रात के समय शादी की परंपरा बनने के पीछे एक अहम ऐतिहासिक कारण माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार, मुगल काल में दिन में शादियां करना असुरक्षित हो गया था। आक्रमणकारियों के डर से हिंदू परिवारों ने अंधेरे में चुपचाप विवाह संस्कार करना शुरू किया। यह एक सामाजिक सुरक्षा उपाय था, जो धीरे-धीरे परंपरा बन गया।

उत्तर और दक्षिण भारत की परंपरा में फर्क

दक्षिण भारत राज्यों केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक में आज भी दिन के उजाले में विवाह करना शुभ माना जाता है। वहीं, उत्तर भारत में रात की शादी सामाजिक परंपरा बन चुकी है। समय के साथ यह रिवाज लोगों के जीवन में रच-बस गया है।

आवास दिवसः ग्रामीण आवास सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

हर माह की 7 तारीख को गांवों में मनाया जाएगा आवास दिवस, मनरेगा रोजगार दिवस एवं चावल महोत्सव का भी होगा आयोजन

बेमेतरा। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने तथा पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से शासन द्वारा एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल की गई है। इसके तहत अब प्रत्येक माह की 7 तारीख को प्रदेश के समस्त ग्राम पंचायतों में 'आवास दिवस' का आयोजन किया जाएगा। इसी दिन मनरेगा रोजगार दिवस एवं चावल महोत्सव का आयोजन भी एक साथ किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर प्राप्त हो सके। यह कार्यक्रम कलेक्टर बेमेतरा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित संबंधित विभागों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। आवास दिवस का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाना, निर्माण की प्रगति की समीक्षा करना तथा हितग्राहियों को आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना है। आवास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इनमें पात्र हितग्राहियों को आवास सहायता राशि का वितरण, निर्माण की प्रगति की समीक्षा, घर निर्माण से संबंधित तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं का समाधान, आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करना प्रमुख रूप से शामिल रहेगा। इसके साथ ही मनरेगा के तहत रोजगार की जानकारी, कार्य मांग पंजीयन तथा चावल महोत्सव के माध्यम से राशन वितरण भी किया जाएगा, जिससे ग्रामीण परिवारों को एक साथ बहुआयामी लाभ प्राप्त हो सके। इस पहल के अंतर्गत उन हितग्राहियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाएगा, जो 90 दिनों के भीतर अपने आवास का निर्माण पूर्ण करेंगे। इससे न केवल योजना के लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने में सहायता मिलेगी, बल्कि अन्य हितग्राहियों को भी शीघ्र निर्माण हेतु प्रेरणा मिलेगी। आवास दिवस के नियमित आयोजन से प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति को गति मिलेगी और अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित, पक्के एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराए जा सकेंगे। साथ ही यह पहल ग्रामीण समुदायों की सहभागिता को सुदृढ़ करेगी, जिससे योजनाओं के प्रति स्वामित्व की भावना विकसित होगी। नियमित रूप से आयोजित होने वाले इन आयोजनों से योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होगी तथा किसी भी प्रकार की देरी या अनियमितता पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। शासन का यह प्रयास ग्रामीण विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है, जो आवास, रोजगार और खाद्य सुरक्षा को एकीकृत रूप से सशक्त बनाता है। कुल मिलाकर, आवास दिवस की शुरुआत ग्रामीण भारत के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक सराहनीय और प्रभावी पहल है। यह न केवल प्रधानमंत्री आवास योजना को नई गति देगा, बल्कि ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के जेडी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुखरी का किया औचक निरीक्षण

साफ– सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए कड़े निर्देश; मरीजों से शालीन व्यवहार करने की हिदायत

अम्बिकापुर/सुखरी/ लोकतंत्र प्रहरी/संवाददाता। सरगुजा जिले के स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक (जेडी) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला शुक्रवार दोपहर 1 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुखरी पहुंचे। औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। डॉ. शुक्ला ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति और रोगी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि मरीजों को एक बेहतर और स्वस्थ वातावरण मिल सके। अस्पताल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जल्द से जल्द सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इसके अलावा बीमारियों की पहचान और समय पर उपचार निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। डॉ. शुक्ला ने कुष्ठ और टीबी (क्षय रोग) के मरीजों की जल्द पहचान और समय पर परीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन बीमारियों का समय पर पता चलना और उपचार शुरू होना समुदाय में इनके प्रसार को रोकने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

स्टाफ को व्यवहार में सुधार की हिदायत- जेडी ने ओपीडी रजिस्टर के संधारण में पाई गई कमियों पर नाराजगी भी जताई और रिकॉर्ड को व्यवस्थित रूप से रखने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने चिकित्सकों और समस्त स्टाफको सख्त हिदायत दी कि वे मरीजों के साथ शालीन और सहयोगात्मक व्यवहार रखें। सुखरी के बाद डॉ. शुक्ला उपस्वास्थ्य केंद्र बकिरमा पहुंचे, जहाँ आयोजित सेक्टर बैठक में उन्होंने पर्यवेक्षक, आरएचओ (महिला-पुरुष) और मितानिन प्रशिक्षकों के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा की और लक्ष्य प्राप्ति के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

घड़ी चौक में चार साहिबजादों के शहादत दिवस पर दूध का लंगर, भाजपा कार्यालय में अटल जी की प्रदर्शनी

बेमेतरा। घड़ी चौक में चार साहिबजादों के शहादत दिवस के अवसर पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ दूध का लंगर वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं एवं समाजसेवियों ने सहभागिता कर वीर बालकों के अद्वितीय बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर रजककार बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक ने कहा कि चार साहिबजादों का बलिदान मानवता, धर्म और सत्य की रक्षा का अनुपम उदाहरण है। उनका साहस आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा और नैतिक मूल्यों के पथ पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। पूर्व ज़िला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि चार साहिबजादों की शहादत हमें अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने का संदेश देती है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सेवा और संस्कारों को मजबूत करते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि वीर बालकों का त्याग भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। दूध के लंगर के माध्यम से सेवा भाव का संदेश जन-जन तक पहुँचा है। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों और राष्ट्रसेवा को समर्पित एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में अटल जी के प्रेरक विचार, चित्र एवं उनके योगदानों को प्रदर्शित किया गया, जिसे कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने सराहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ इस अवसर पर निशा चौबे युवा मोर्चा अध्यक्ष परमेश्वर वर्मा योगेश वर्मा गौरव साहू हर्ष तिवारी डॉ विनय साहू मोंटी साहू नीतू कोठारी रोशन दत्ता संदीप यादव मनीष छाबड़ा सिमरन ताम्रकार गोलू कोशले धर्मेंद्र साहू सहित समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

सरदा भिंभोरी मे भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने ली बैठक

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नव-नियुक्त जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी द्वारा सरदा एवं भिंभोरी में महिला मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार, नई कार्यकारिणी संरचना एवं बूथ स्तर पर संगठन सशक्तिकरण के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। सरदा स्थित रजक कृषि केंद्र में ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी का स्वागत किया, वहीं भिंभोरी नगर पंचायत स्थित साहू समाज के माता कर्मा भवन में महिला मोर्चा की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान प्रज्ञा निर्वाणी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और मातृ वंदना योजना को ग्रामीण महिलाओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्वाभिमान का बड़ा वरदान बताया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं ने न केवल घर-परिवार की सेहत सुधारी है, बल्कि महिलाओं के जीवन में आर्थिक और सामाजिक बदलाव भी लाया है,मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा यह भारत की महिलाओं का स्वर्णिम युग है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक संगठन की महिला इकाई का सदस्य होना स्वयं में गौरव और आत्मसम्मान की बात है।महिला मोर्चा चुनौती भी है और स्वयं को सिद्ध करने का सबसे बड़ा माध्यम भी। संगठन समय मांगता है जो महिलाएँ आगे बढ़कर जिम्मेदारी स्वीकार करेंगी, उन्हें जिला एवं मंडल कार्यकारिणी में सम्मानजनक स्थान दिया जाएगा। महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक है, चाहे लोकसभा हो या विधानसभा चुनाव इसलिए महिला मोर्चा भाजपा की सबसे सशक्त शक्ति है और हम हर बूथ तक अपनी पकड़ मजबूत करेंगे। प्रज्ञा निर्वाणी ने स्पष्ट कहा कि महिला मोर्चा केवल पद का नाम नहीं, यह सेवा भाव, प्रतिबद्धता और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प है। सभी संगठनात्मक मंडलो में ग्राम पंचायत और बूथ स्तर पर महिलाओं को पार्टी की नीति रीति से जोड़ना ही हमारी प्राथमिकता है। बैठकों में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने महिला मोर्चा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। जिला भाजपा महामंत्री पोषण वर्मा ने कहा की भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी के नियुक्ति से महिला मोर्चा में ऊर्जा का संचार हुआ है उनके अनुभव जमीनी पकड़ और संगठनात्मक क्षमता का लाभ निश्चित तौर पर संगठन निर्माण में दिखेगा भारतीय जनता पार्टी का मजबूत संगठन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और महिला मोर्चा वह धुरी है, जो समाज के अंतिम छोर तक विचार और सेवा को पहुंचाता है। भिंभोरी मंडल में महिला मोर्चा के बूथ-स्तरीय नेटवर्क को विस्तार देकर हम 2028 की राजनीतिक परिस्थिति में निर्णायक भूमिका निभाएँगे। शरदा मंडल में कल्याणी साहू, रंगिता साहू, संतोषी पुरैना, सावित्री साहू, पूर्णिमा मानिकपुरी, आमिन साहू, राधाबाई टंडन, मालती निषाद, अघन टंडन, गौरी नेताम, जया बाई साहू मंडल अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा अश्वनी मानिकपुरी, सनत कुमार चौधरी, सुनीटराम साहू, धलसिंह साहू, लेखराम साहू, पुष्पकान्त साहू, मनोहर यादव नें उपस्थिति प्रदान की वहीं भिंभोरी मंडल की बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत नायक, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष संध्या नायक भाजपा जिला महामंत्री पोषण वर्मा तिलोचन वर्मा,

महिला एवं बाल विकास विभाग ने किया महतारी सम्मेलन

दल्लीराजहरा। महिला बाल विकास विभाग ने दल्ली राजहरा नगर के गांधी चौक स्थित माँ दुर्गा मंच में रजत महोत्सव के सुअवसर में वीर बाल दिवस एवं महतारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा, विशेष अतिथि डॉ. विजय ठाकुर बीएमओ डौण्डी, सुरेश जायसवाल पार्षद थे। सुपरवाइजर दिव्या मानिकपुरी ने कार्यक्रम के उददेश्य एवं योजनाओं के विषय में विस्तार से हितग्राहियों को जानकारी दी गई। तोरण लाल साहू ने कहा विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का भरपूर लाभ लें, विभाग द्वारा सतत् प्रयास किया जाता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। आप सब लोग महतारी वंदन योजनाओं का लाभ लें। डॉ.विजय ठाकुर ने गर्भावस्था के देखभाल, गर्भावस्था की जटिलता एवं उपचार के विषय में विस्तार से जानकारी दिया, सभी हितग्राहियों के लिए शासकीय चिकित्सालय में जांच, परामर्श की सुविधा है, आप सब स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। स्वास्थ्य परीक्षण नियमित कराते रहे, अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य कर्मचारीगण, मितानिनगण एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संपर्क करके स्वास्थ्य योजनाओ का लाभ से संबंधित जानकारी ले सकते हैं। संचालन स्वास्थ्य सुपरवाइजर रेखू राम साहू ने किया,व आभार व्यक्त महिला बाल विकास विभाग सुपरवाइजर रेणु ने किया। विभाग द्वारा महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिए मटका फोड, कुर्सी दौड, बच्चों का मनमोहक नृत्य की प्रस्तुत किया गया।

पीएम किसान योजना में पारदर्शिता और समय पर लाभ के लिए फार्मर रजिस्ट्री पर कलेक्टर सख्त

कवर्धा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ सही किसान तक, सही समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे, इसी उददेश्य से कलेक्टर गोपाल वर्मा ने एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री को अनिवार्य बताते हुए 05 जनवरी 2026 तक जिले के शत-प्रतिशत लाभांवित किसानों की रजिस्ट्री पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि फार्मर रजिस्ट्री केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसान की डिजिटल पहचान है, जिसके माध्यम से पात्र किसानों को योजना की राशि सीधे उनके खाते में बिना किसी गड़बड़ी के प्राप्त होगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रजिस्ट्री अधूरी रहने पर भविष्य में किसानों को योजना के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। कलेक्टर ने बताया कि एग्रीस्टेक परियोजना का मुख्य उददेश्य किसानों का प्रमाणिक और अद्यतन डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है, जिससे फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगे, डुप्लीकेसी समाप्त हो और सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक किसानों तक सीमित रहे। फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण होने से न केवल पीएम किसान योजना, बल्कि भविष्य में लागू होने वाली अन्य कृषि आधारित योजनाओं का लाभ भी किसानों को सुगमता से मिल सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव-गांव जाकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की उपयोगिता समझाई जाए, उन्हें यह बताया जाए कि पंजीयन न होने की स्थिति में आगामी किस्तें अटक सकती हैं। सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए तय समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में डिप्टी कलेक्टर आर.बी. देवांगन, उपसंचालक कृषि अमित मोहंती, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (कृषि), वर्कलोड एवं नजूल राजस्व निरीक्षक संतोष धुर्वे तथा लिपिक निखिल चौहान उपस्थित रहे। स्पष्ट संदेश है– फार्मर रजिस्ट्री पूरी होगी, तभी पीएम किसान योजना का लाभ निर्बाध, पारदर्शी और समय पर किसानों तक पहुंचेगा।

डुरामदुलार साहू समाज टेका के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

डोंगरगांव नगर। तहसील साहू संघ अंतर्गत टेका ग्राम इकाई के नवनिर्वाचित एवं पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण गत दिनों संपन्न हुआ। पदाधिकारियों ने समाज के वरिष्ठजनों के सानिध्य में समाज के पद व गोपनीयता की शपथ ली। समाज के वरिष्ठ हेमंत साहू के द्वारा समस्त नव निर्वाचित सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। जानकारी मुताबिक ग्राम इकाई टेका में रामदुलार साहू निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। संरक्षक हेमंत कुमार साहू, उपाध्यक्ष जसवंत साहू, उपाध्यक्ष महिला निर्मला साहू. सचिव राजकुमार साहू, संगठन सचिव चेतन साहू. संघठन सचिव महिला सरिता साहू. कोषाध्यक्ष नानूक साहू निर्वाचित हुए हैं। शपथ ग्रहण के मौके पर सर्वप्रथम साहू समाज के आराध्य देवी माँ कर्मा दाई. स्वामी जगन्नाथ महाराज. दानवीर भामाशाह का पूजा अर्चना कर सभी नवनिर्वाचितों ने शपथ ग्रहण किया। उक्त अवसर पर भरोसा साहू, घनश्याम साहू, नरेन्द्र साहू, चंद्रेश साहू, हीरा लाल साहू, सुखराम साहू, रवि साहू, संत राम साहू, पिलेश्वर साहू, भुवन साहू, तमेश्वर साहू, राजेंद्र साहू, राजू साहू, महेश साहू, थानु, दिनेश, पवन, राधेश्याम, दामोदर, नंदलाल, शंकर, संतोष, रमेश, महेश, विष्णु, तिलक, गंगा, ठाकुर राम, आजुराम, टेमन, भुवन, ताम्रजधवज साहू, खेम साहू, हीरामन, संतोष, रामेश्वर, भुनेश्वर, रामाधिन, दशरू, भागवत, रामदल, अरुण, धन्यसिंग, हरित, खिलावन, हिरमोतिन, मोतिम, भुनेश्वरी, सुनीता, शांति, सरिता, निर्मला, कुमारी, प्रेमिन बाई, वंदना, सुंदरी एवं अन्य उपस्थित थे।

मनेरी में स्टेटलेवल फुटबॉल चैंपियनशिप का आगाज सरपंच सहित ग्रामीण जनप्रतिनिधियों द्वारा उद्घाटन

डोंगरगांव नगर। अंचल के ग्राम मनेरी में ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 आयोजित की जा रही है। 25 से 30 दिसंबर तक आयोजित स्पर्धा के उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि भीषन साहू सरपंच ग्राम पंचायत मनेरी थे। अध्यक्षता राजू निषाद ग्राम अध्यक्ष ने की। विशेष अतिथि पूर्व सरपंच जुगत पोहन साहू, ओमकार साहू उप सरपंच एवं पंचायत के समस्त जनप्रतिनिधि शामिल हुए। स्पर्धा के पहले दिन पहला मैच अर्जुनी वर्सेस राजनांदगांव के मध्य खेला गया। राजनादगांव की टीम ने 5-0 से विजय हासिल किया। दूसरा मैच डोगरगांव एवं पिनकापार के मध्य खेला गया। पिनकापार की टीम 1-0 से डोंगरगांव को पटखनी दी। दूसरे दिन के पहले मैच में खुर्सीटिकुल ने सरगुजा को 2-0 से पटखनी दी। दूसरे मैच में रेंगाकठेरा ने राजनांदगाँव को 1-0 से मात दी। तीसरे मैच में भरवेली व भिलाई के मध्य मैच हुआ।

स्पर्धा में आज होंगे 3 मैच

मनेरी में आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल स्पर्धा में आयोजन समिति अध्यक्ष नोहर साहू व खेलप्रेमी पोहन दास साहू ने बताया कि आज पहला मैच साल्हे वर्सेस बलौदाबाजार, दूसरा मैच कवर्धा वर्सेस राजनांदगाँव एवं तीसरा मैच डोंगरगढ़ वर्सेस पिनकापार के मध्य होंगे।

कृषक उन्नति योजना बनी आर्थिक संबल शिक्षा और आत्मनिर्भरता की मिसाल

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांकृषक उन्नति योजना किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की नई कहानी लिख रही है। इसी कड़ी में ग्राम बेलतरा, जिला बेमेतरा के कृषक दुधेराम साहू की जीवन गाथा एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है, जहाँ शासकीय सहयोग ने उनके परिवार को आर्थिक संकट से उबारते हुए उन्नति और आत्मसम्मान की राह पर अग्रसर किया है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत दुधेराम साहू को 1 लाख 83 हजार रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। यह राशि उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आशा, राहत और भविष्य की मजबूती का आधार सिद्ध हुई। सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने वाले साहू लंबे समय से आर्थिक दबाव और पारिवारिक जिम्मेदारियों से जूझ रहे थे। प्राप्त अनुदान राशि का सार्थक और दूरदर्शी उपयोग करते हुए साहू ने सबसे पहले अपने भाई की चिकित्सा शिक्षा में निवेश किया। डॉक्टर बनने का सपना उनके परिवार वर्षों से देख रहा था, लेकिन आर्थिक अभाव इस सपने के आड़े आ रहा था। कृषक उन्नति योजना से मिली सहायता ने इस सपने को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाई और परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही दुधेराम साहू ने ऋण पर खरीदे गए ट्रैक्टर की लंबित किस्तों का भुगतान भी किया। समय पर किस्त जमा होने से वे पूरी तरह ऋणमुक्त हो गए। इससे न केवल आर्थिक बोझ समाप्त हुआ, बल्कि मानसिक तनाव से भी उन्हें राहत मिली।

गुरु घासीदास बाबा का जीवन-दर्शन युगों तक देता रहेगा मानवता का संदेश : आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। ग्राम पंचायत हतपान, बांसा एवं अछोली में आयोजित बाबा गुरु घासीदास जयंती समारोह में आशीष छाबड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं समाज जनों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरु घासीदास का जन्म ऐसे समय हुआ जब समाज में छुआछूत, ऊंच-नीच, झूठ-कपट का बोलबाला था। ऐसे समय में उन्होंने समाज को एकता, भाईचारे तथा समरसता का संदेश दिया, बाबा गुरु घासीदास ने समाज के लोगों को प्रेम और मानवता का संदेश दिया संत गुरु घासीदास की शिक्षा प्रासंगिक है, बाबा ने समाज के लोगों को सात्विक जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने न सिर्फ सत्य की आराधना की, बल्कि समाज में नई जागृति पैदा की और अपनी तपस्या से प्राप्त ज्ञान और शक्ति का उपयोग मानवता की सेवा के कार्य में किया। इसी प्रभाव के चलते लाखों लोग गुरु घासीदास बाबा के अनुयायी हो गए, गुरु घासीदास ने समाज में व्याप्त कुप्रथाओं का बचपन से ही विरोध किया, उन्होंने समाज में व्याप्त छुआछूत की भावना के विरुद्ध 'मनखे-मनखे एक समान' का संदेश दिया, गुरु घासीदास बाबा का जीवन-दर्शन युगों तक मानवता का संदेश देता रहेगा, वे आधुनिक युग के सशक्त क्रांतिदर्शी गुरु थे,इनका व्यक्तित्व ऐसा प्रकाश स्तंभ है, जिसमें सत्य, अहिंसा, करुणा तथा जीवन का ध्येय उदात्त रुप से प्रकट है, बाबा के बताए मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति ही अपने जीवन में अपना तथा अपने परिवार को आगे बढ़ा पाएग, घासीदास बाबा ने कहा था कि हमें नशा-पान का सेवन नहीं करना चाहिए, सदा सादा जीवन जीना चाहिए। हम सभी को बाबा के बताए मार्ग में चल कर अपने जीवन को सफल बनाना है,ललित विश्वकर्मा रवि परगनिहा शुभम वर्मा कविता साहू नवाज खान राजेश दुबे रास बिहारी कुर्रे सुमित राजपूत राजेश चंदेल नरोत्तम देशलहरे मालिक दास भंडारी शत्रुघ्न बंजारे फत्ते दास कुर्रे जितेंद्र जोशी राजकुमार सेन गोविंदा राजपूत राज कुमार बंजारे डीकेश्वरी रघु दिवाकर पारस बंजारे बाबूलाल बंजारे लेखु बंजारे संतराम बंजारे पूरनलाल सोनवानी राजेंद्र कुर्रे प्रेमदास गायकवाड पोकचंद आनंद शर्मा जय नारायण साहू मोहन चौहान परसोत्तम बंदे सुखदास कोसले जगमोहन कोसले संतोष कोसले रामदेव रात्रि शांतिलाल रात्रे मेघनाथ मिर्जा अशोक कोसले खुसरू कोसले अंगैया भंडारी सोहन साहू तोरण साहू गायकवाड़ हरिदास बघेल हरिदास बघेल बेदराम बंजारे रोहित जांगड़े सुरेंद्र बंजारे सूरज तिवारी जमघट प्रेमचंद गोविंद कोसले सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com